▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 207 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 23-02-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'गुलाम मानसिकता वाले बिकाऊ' लोगों से सावधान रहें बसपा कार्यकर्ता : मायावती

6 क्या बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखना समाधान है?

7 बॉबी देओल की फिल्म 'बंदर' का पोस्टर आया सामने

फर्स्ट टेक

मैं अपनी आगामी इजराइल यात्रा के लिए उत्सुक हूं : मोदी

नयी दिल्ली, 22 फरवरी (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि वह इजराइल की अपनी आगामी यात्रा के लिए उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री ने यह बात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की उस टिप्पणी के जवाब में कही, जिसमें नेतन्याहू ने बताया था कि मोदी बुधवार को इजराइल का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''धन्यवाद, मेरे मित्र, प्रधानमंत्री नेतन्याहू। भारत और इजराइल के बीच के बंधन और हमारे द्विपक्षीय संबंधों की विविधता पर मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूं। भारत इजराइल के साथ अटूट मित्रता को बहुत महत्व देता है, जो विश्वास, नवाचार और शांति एवं प्रगति के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है।'' उन्होंने कहा, ''अपनी आगामी इजराइल यात्रा के दौरान आपसे होने वाली चर्चाओं के लिए उत्सुक हूं।

नेपाल के कोशी प्रांत में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए

काठमांडू/भाषा। नेपाल के कोशी प्रांत में रविवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, 4.1 तीव्रता का यह भूकंप सुबह सात बजकर 31 मिनट पर आया और इसका केंद्र संखुवासभा जिले के रिताक क्षेत्र में स्थित था। संखुवासभा जिला राजधानी काठमांडू से लगभग 475 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। भूकंप के झटके पड़ोसी तपलेजुंग और भोजपुर जिलों में भी महसूस किए गए। हालांकि, भूकंप से किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली। लमजुंग जिले के बंसर क्षेत्र के निकट 11 जनवरी को 3.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। नेपाल दुनिया में भूकंप के लिहाज से सबसे अधिक संवेदनशील देशों में 11वें स्थान पर है।

रूस ने यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए

कीव/एपी। रूस ने यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिसमें कीव क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने रविवार को बताया कि ध्वस्त इमारतों के मलबे से एक बच्चे समेत आठ अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। हमले के कारण कीव के उपनगरों के पांच जिलों ओबुखिव, ब्रोवरी, बोरिस्पिल, बुचा और फास्तिव में नुकसान हुआ और वहां आग लग गई। फास्तिव जिले के पुत्रिवका गांव में आपातकालीन राहतकर्मी मलबे में दबे लोगों को बचाने के लिए अभियान चला रहे थे।

सूर्यास्त 23-02-2026 6:16 बजे	सूर्योदय 24-02-2026 6:28 बजे
BSE 82,814.71 (+316.57)	NSE 25,571.25 (+116.90)
सोना 16,400 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 273,000 रु. प्रति किलो

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 8 सदस्य गिरफ्तार जिसमें सात बांग्लादेशी

देशव्यापी मॉड्यूल का पर्दाफाश : दिल्ली पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने तीन राज्यों में चलाए गए एक बड़े आतंकवाद रोधी अभियान के तहत आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के मॉड्यूल का पर्दाफाश करके इससे जुड़े आठ लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें से सात बांग्लादेशी के नागरिक हैं। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि ये सातों बांग्लादेशी अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे और जाली पहचान पत्र बनवा लिये थे। ये गिरफ्तारियां पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में समन्वित छापेमारी के बाद हुईं। इसके पहले जांचकर्ताओं ने दिल्ली में कई स्थानों पर मारे जा चुके आतंकवादी बुरहान वानी की तस्वीर दर्शाने वाले पाकिस्तान समर्थक और आतंकवाद समर्थक पोस्टर लगाने में एक समूह की संलिप्तता का पता लगाया था। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) प्रमोद सिंह कुशवाह ने बताया कि इस मॉड्यूल को बांग्लादेश से शब्बीर अहमद लोन उर्फ राजा उर्फ कश्मीरी द्वारा संचालित किया जा रहा था। शब्बीर जम्मू-कश्मीर का रहने वाला लश्कर-ए-तैयबा का एक प्रशिक्षित आतंकवादी है।

सशक्त व्यक्ति से ही सशक्त समाज और राष्ट्र का निर्माण होता है : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि संघ एक सशक्त समाज और राष्ट्र के निर्माण के लिए व्यक्ति निर्माण की दिशा में काम कर रहा है।

संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यहां 'संघ यात्रा- नये क्षितिज, नये आयाम' विषय पर आयोजित एक जनगोष्ठी एवं संवाद कार्यक्रम में भागवत ने यह बात कही। उन्होंने कहा, ''संघ का उद्देश्य व्यक्ति निर्माण है, क्योंकि सशक्त व्यक्ति से ही सशक्त समाज और राष्ट्र का निर्माण होता है। संघ की किसी संगठन से प्रतिस्पर्धा नहीं है, अगर राष्ट्र सशक्त होगा तो राष्ट्रवासी भी सशक्त होंगे। यदि राष्ट्र दुर्बल होगा तो व्यक्ति अपने ही देश में सुरक्षित नहीं रह पाएगा।''

भागवत ने कहा कि बाहर से देखकर संघ की वास्तविकता को नहीं समझा जा सकता । उन्होंने

कहा कि पथ संचालन देखकर कुछ लोग संघ को अर्धसैनिक संगठन समझ लेते हैं, राष्ट्रप्रेम के गीत सुनकर संगीत मंडली मान लेते हैं, सेवा कार्य देखकर सेवा क्षेत्र का संगठन समझ लेते हैं किंतु संघ इन सीमाओं से परे एक व्यापक सामाजिक शक्ति है ।

इस संबंध में उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे चीनी की मिठास को जानने के लिए उसे चखना पड़ता है, वैसे ही संघ को समझने के लिए उसके कार्य में आना आवश्यक है ।

भागवत ने कहा कि एक लंबी ऐतिहासिक यात्रा के पश्चात आज विश्व भारत को पुनः नेतृत्वकारी भूमिका में देखने की आशा कर रहा है । उन्होंने उपस्थित जनसमूह से संघ की गतिविधियों से जुड़कर समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जो जोड़ने का कार्य करे, वही हिंदू है। उन्होंने कहा, '' मातृभूमि के प्रति भक्ति अनिवार्य है। विश्व सत्य से अधिक शक्ति को समझता है, इसलिए शक्ति अर्जित करना आवश्यक है, किंतु उसका उपयोग मर्यादित होना चाहिए ।'' महिलाओं की भूमिका के बारे में भागवत ने कहा कि महिलाएं पूर्णतः स्वतंत्र हैं और देश संचालन में उनकी भागीदारी 33 प्रतिशत तक सीमित न होकर 50 प्रतिशत तक होनी चाहिए।

उत्तराखंड की नदियों और पर्यावरण संरक्षण पर उन्होंने समन्वित नीति और स्थानीय सहभागिता पर बल दिया। उन्होंने शिक्षा में पाठ्यक्रम से अधिक शिक्षकों के संस्कारों को महत्वपूर्ण बताया। आरक्षण, वर्गीकरण और समान नागरिक संहिता जैसे विषयों पर उन्होंने कहा कि समाज को प्रमाणिकता और सदभाव से कार्य करना चाहिए तथा विभाजन की मानसिकता से बाहर आना होगा।

सरसंघचालक ने स्पष्ट किया कि संघ हिंदुत्व की राजनीति नहीं करता, बल्कि व्यक्ति निर्माण के माध्यम से समाज उत्थान का कार्य करता है ।

जनसंख्या को उन्होंने बोझ और संसाधन,दोनों दृष्टियों से देखने की आवश्यकता बताई ।

सहयोग, धैर्य और पेशेवर ईमानदारी पर आधारित करियर बनाएं : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को कानून के छात्रों से सहयोग, धैर्य और पेशेवर ईमानदारी पर आधारित करियर बनाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी बताया कि उनके सहपाठी भविष्य में उनके सहकर्मी, अदालत में प्रतिद्वंद्वी और संभावित रूप से न्यायपालिका के सदस्य बन सकते हैं। यहां हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षांत समारोह में उन्होंने कहा कि स्नातक छात्र अनिश्चितता और जिम्मेदारी से भरी एक पेशेवर यात्रा में प्रवेश कर रहे हैं, जिसमें एक सार्थक करियर सहयोगात्मक रूप से काम करने की क्षमता और पेशेवर विकास की दीर्घकालिक प्रकृति को अपनाने की इच्छा पर निर्भर करता है।

स्नातकों, संकाय सदस्यों और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में अपने संबोधन में प्रधान न्यायाधीश ने पेशेवर संबंधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''जहां कानूनी शिक्षा अक्सर परीक्षाओं, रैंकिंग और प्लेसमेंट के माध्यम से प्रतिस्पर्धा पर जोर देती है, वहीं कानूनी पेशे की मूल भावना सहयोग के माध्यम से ही जीवित रहती है।''

उन्होंने कानूनी व्यवस्था और कई सहायक नदियों से बनी नदी के बीच समानता बताते हुए समझाया कि न्याय प्रशासन कनिष्ठों, वरिष्ठों, सहकर्मियों और यहां तक कि विरोधी वकीलों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है।

प्रधान न्यायाधीश ने स्नातकों को अपने साथियों के साथ सम्मान, सहानुभूति और निष्पक्षता से पेश आने की सलाह दी, यह देखते हुए कि सहपाठी भविष्य में सहकर्मी, अदालत में प्रतिद्वंद्वी और संभावित रूप से न्यायपालिका के सदस्य बनेंगे।

उन्होंने वकालत के अपने शुरुआती वर्षों का एक अनुभव साझा किया, जिसमें बिना किसी स्वार्थ के एक साथी वकील की सहायता करने से स्थायी पेशेवर विश्वास और सहयोग का विकास हुआ।

उन्होंने कहा, सद्भावना के ऐसे कार्य न केवल व्यक्तिगत करियर को मजबूत करते हैं, बल्कि कानूनी पेशे की विश्वसनीयता को भी बढ़ाते हैं। उन्होंने कानूनी क्षेत्र को एक लंबी प्रक्रिया के रूप में वर्णित करते हुए कहा कि इसमें अधिकार और मान्यता दशकों में धीरे-धीरे विकसित होती है।

जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी ढेर

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के एक सुदूर इलाके में रविवार को सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए तीनों आतंकवादियों के शव बुरी तरह झुलस गए हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों के प्रारंभिक आकलन में पता चला है कि मृतकों में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का एक कुख्यात कमांडर सैफुल्ला भी हो सकता है। खबरों के मुताबिक, सैफुल्ला ने लगभग पांच साल पहले जम्मू कश्मीर में घुसपैठ किया था और तब से इस क्षेत्र में सक्रिय था। उस पर सुरक्षा बलों पर कई घातक हमलों की साजिश रचने का आरोप है। इनमें जुलाई 2024 का हमला भी शामिल है, जिसमें एक कैप्टन समेत चार जवान शहीद हो गए थे। सैफुल्ला पहले भी कई मुठभेड़ों के दौरान बच निकला था। सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने व्हाइट नाइट कोर के जवानों द्वारा तीन आतंकवादियों को मार गिराने के लिए की गई 'तेज और सटीक' कार्रवाई की सराहना की।

त्योहारों के दौरान 'स्वदेशी' उत्पादों का इस्तेमाल करें : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को त्योहारों के दौरान 'स्वदेशी' उत्पादों के उपयोग की पुरजोर वकालत की और लोगों से हमेशा 'वोकल फॉर लोकल' रहने का आग्रह किया।

मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि इस्लाम का पवित्र माह रमजान मनाया जा रहा है और उन्होंने सभी को इसके लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कुछ ही दिनों में होली का पर्व भी आ रहा है और इसका मतलब है कि रंग, गुलाल तथा हंसी-खुशी से भरा समय दस्तक देने वाला है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''आप सभी अपने परिवार और अपनों के साथ खुशी से सारे त्योहार मनाएं। और हां, कुछ मंत्र हमेशा याद रखें जैसे 'वोकल फॉर लोकल'।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि होली उत्सव या अन्य उत्सवों में भी कई विदेशी उत्पाद बाजार में आ गए हैं। उन्होंने कहा, ''इन्हें त्योहारों से दूर रखिए, होली से भी दूर रखिए और 'स्वदेशी' अपनाइए। जब आप स्वदेशी खरीदते हैं तो देश को आत्मनिर्भर बनाने के अभियान में भी मदद करते हैं।''

सदियों पुरानी मामंगम परंपरा 250 साल बाद फिर से हुई जीवंत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सदियों पुरानी मामंगम परंपरा का रविवार को उल्लेख करते हुए कहा कि यह लगभग 250 वर्षों के अंतराल के बाद फिर से जीवंत हुई है। मामंगम परंपरा को केरल कुंभ के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि उत्तर से दक्षिण तक नदियां भले अलग-अलग हों, लेकिन आस्था की धारा एक ही है।

रेडियो पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ की अद्भुत तस्वीरें लोगों को अभी भी जरूर याद होंगी। उन्होंने कहा कि संगम के तट पर उमड़ता जनसागर, आस्था का अथाह प्रवाह और स्नान के उस पावन क्षण में, जैसे भारत अपनी सनातन चेतना से साक्षात्कार कर रहा था। उन्होंने कहा, ''महाकुंभ की वही धारा, वही माघ का महीना, वही श्रद्धा का स्वर, जब उत्तर से दक्षिण की ओर बढ़ता है, तो एक नयी पहचान ले लेता है। केरल की धरती पर, भारतप्पुझा नदी के किनारे तिरुनावाया में सदियों पुरानी एक परंपरा रही है मामंगम। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसे कई लोग महा माघ उत्सव या केरल कुंभ भी कहते हैं। उन्होंने कहा कि माघ के महीने में पवित्र नदी में स्नान और उस क्षण को जीवन का अमिट स्मरण बना लेना, यही इसकी आत्मा है।

अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद ट्रंप ने वैश्विक शुल्क बढ़ाकर 15 प्रतिशत किया

- ट्रंप प्रशासन 150 दिनों की अस्थायी अवधि में 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 और 1962 के व्यापार विस्तार अधिनियम की धारा 232 जैसे अन्य कानूनी प्रावधानों के इस्तेमाल पर विचार कर रहा है।
- इस फैसले से ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों के निर्यात प्रभावित होंगे; अवैध रूप से वसूले गए टैरिफ की वापसी पर 175 अरब डॉलर तक रिफंड का सवाल।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रिस्बेन/द कन्वरसेशन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका सभी देशों से आयात पर शुल्क बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर देगा, क्योंकि शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय के एक महत्वपूर्ण फैसले के बाद से इसका असर जारी है। ट्रंप ने पिछले साल आपातकालीन शक्तियों के अधिनियम के तहत व्यापक ''पारस्परिक शुल्क'' लगाए थे, लेकिन अदालत ने फैसला सुनाया कि यह कानून उन्हें ऐसा करने का अधिकार नहीं देता।

शुक्रवार को आए फैसले के बाद ट्रंप ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की आलोचना की थी। ट्रंप ने कहा था कि वह अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के उन न्यायाधीशों को लेकर बेहद शर्मिंदा हैं जिन्होंने शुल्क के संबंध में अत्यंत निराशाजनक फैसला दिया है। ट्रंप ने हालांकि स्वीकार किया था कि उन्होंने आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल करके ''मामलों को सरल बनाने'' की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि उनके पास अन्य विकल्प भी हैं, लेकिन उन विकल्पों में अधिक समय लगेगा। उनके भाषण का यह हिस्सा बिल्कुल सटीक था।

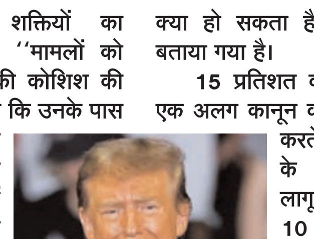

उनके ऐतिहासिक आर्थिक एजेंडे के लिए समय तेजी से गुजर रहा है और अरबों डॉलर के रिफंड का सवाल सामने आ रहा है, ऐसे में ट्रंप आगे क्या कर सकते हैं? ऑस्ट्रेलिया और दुनिया दोनों के लिए अब आगे क्या हो सकता है, यह यहां बताया गया है।

15 प्रतिशत की नई दर, एक अलग कानून का इस्तेमाल करते हुए फैसले के तुरंत बाद लागू किए गए 10 प्रतिशत के वैश्विक शुल्क में वृद्धि है, और इससे कुछ ऑस्ट्रेलियाई निर्यात प्रभावित होंगे।

कानून के इस खंड का कभी इस्तेमाल नहीं किया गया है। हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि यह राष्ट्रपति को 15 प्रतिशत तक का शुल्क लगाने की अनुमति देता है और वह भी अधिकतम 150 दिन की अवधि के लिए।

लेकिन ट्रंप ने कहा कि पांच महीने की इस अवधि के दौरान, उनका प्रशासन एक और कानून, 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के इस्तेमाल की पड़ताल करेगा।

यह खंड राष्ट्रपति को उन विदेशी देशों पर शुल्क लगाने की अनुमति देता है जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों के तहत अमेरिकी अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, या जो अमेरिकी वाणिज्य को ''अनुचित'', ''अतार्किक'' या ''भेदभावपूर्ण'' तरीकों से बाधित या प्रतिबंधित करते हैं। हालांकि, इसके लिए कुछ चरणों का पालन करना आवश्यक है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमले में 70 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने देश मे हुए हालिया हमलों को लेकर जवाबी कार्रवाई के तहत अफगानिस्तान में कम से कम सात आतंकवादी ठिकानों पर सैन्य हमले कर 70 आतंकवादियों को मार गिराने का रविवार को दावा किया।

जियो न्यूज के एक कार्यक्रम में पाकिस्तान के गृह राज्य मंत्री तलल चौधरी ने कहा, अफगानिस्तान लंबे समय से आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। पाकिस्तान अपने नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठा रहा है। चौधरी ने कहा कि मारे गए 70 आतंकवादियों में से अधिकांश पाकिस्तानी नागरिक थे। उन्होंने कहा, इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि मारे गए अधिकांश आतंकवादी पाकिस्तानी थे।

इससे पहले, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इस्लामाबाद, बाजौर और बन्नू में हुए हालिया आत्मघाती बम हमलों के जवाब में इन हमलों की पुष्टि की थी, वहीं काबुल ने इन हमलों के जवाब में आवश्यक और संयमित प्रतिक्रिया की चेतावनी दी थी।

नेतन्याहू ने मोदी को मित्र ताते हुए कहा

'वैश्विक शक्ति' भारत 'षट्भुज' गठबंधन का हिस्सा होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/भाषा। भारत को एक ''वैश्विक शक्ति'' और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना मित्र बताते हुए, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को पश्चिम एशिया और इसके आसपास के क्षेत्रों में एक ''षट्भुज'' गठबंधन की अपनी परिकल्पना के बारे में बात की, जिसमें भारत भी शामिल होगा।

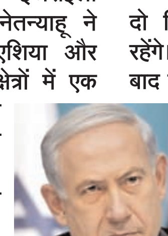

नेतन्याहू ने साप्ताहिक कैबिनेट बैठक की शुरुआत में कहा, ''हाल के वर्षों में इजराइल और 'वैश्विक शक्ति' भारत के बीच, तथा मेरे और प्रधानमंत्री मोदी के बीच बने विशेष संबंधों को इस सप्ताह अभिव्यक्त किया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''हम व्यक्तिगत मित्र हैं; हम अक्सर फोन पर बात करते हैं और एक-दूसरे से मिलते हैं। मैं भारत जा चुका हूं और मोदी भी यहां आ चुके हैं।'' वर्ष 2017 में दोनों नेताओं की समुद्र किनारे चहलकदमी करते हुए वायरल हुई तस्वीरों का जिक्र करते हुए इजराइली प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमने एक साथ सैर की थी, और तब से भूमध्यसागर, गंगा और जॉर्डन में काफी पानी बह चुका है।''

मोदी 25 से 26 फरवरी तक दो दिवसीय इजराइल यात्रा पर रहेंगे। जुलाई 2017 की यात्रा के बाद यह प्रधानमंत्री मोदी की दूसरी इजराइल यात्रा है। जुलाई 2017 में मोदी की यात्रा किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की इजराइल की पहली यात्रा थी।

इजराइली नेता ने जोर देकर कहा, ''किसी भी स्थिति में, एक बात तो तय है - इस रिश्ते का ताना-बाना और मजबूत हो गया है, और वह (मोदी) यहां इसलिए आ रहे हैं ताकि हम अपनी सरकारों और देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने से संबंधित कई फैसलों के माध्यम से इसे और भी मजबूत कर सकें।'' उन्होंने कहा कि इसमें आर्थिक, राजनयिक और सुरक्षा सहयोग शामिल है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सियासी रिश्ते

सियासत में बने संबंध,
सब छत्तीस हो जाते।
कभी दुश्मन के चरणों में,
नमन नत शीश हो जाते।
समय के गणित को समझे,
वो सत्ताधीश हो जाते।
बदलते नीति जो अपनी,
वही नीतीश हो जाते।।

ओटीपी, आधार, बैंक विवरण साझा न करें: डिजिटल धोखाधड़ी से बचने के लिए प्रधानमंत्री ने दिए सुझाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डिजिटल धोखाधड़ी से बचने के लिए लोगों को ओटीपी, आधार नंबर या बैंक खातों के विवरण साझा न करने के सुझाव दिए। मोदी ने रेडियो पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि ओटीपी, आधार नंबर या बैंक खाते संबंधी जानकारी किसी को भी न दें। उन्होंने कहा कि जैसे हर मौसम के साथ खान-पान, पहनावा भी बदल जाता है, वैसे ही नियम से हर कुछ दिन के बाद अपना पासवर्ड भी बदल देना चाहिए।

मोदी ने कहा कि उन्होंने पूर्व में 'डिजिटल अरेस्ट' के बारे में विस्तार से बात की थी, जिससे डिजिटल धोखाधड़ी और ऑनलाइन घोटालों के बारे में जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि हालांकि, ऐसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि 'डिजिटल अरेस्ट' और वित्तीय धोखाधड़ी के माध्यम से कई लोगों को निशाना बनाया जा रहा है और अक्सर वरिष्ठ नागरिकों से उनकी जीवन भर की कमाई ठग ली जाती है।

प्रधानमंत्री ने सभी से सतर्क रहने का आग्रह किया और सलाह दी कि केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) या पुनः केवाईसी प्रक्रियाएं केवल बैंक शाखाओं, आधिकारिक ऐप या अधिकृत प्लेटफॉर्म के माध्यम से ही की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''ओटीपी, आधार नंबर या बैंक खाते संबंधी जानकारी किसी को भी न दें और सबसे अहम

बात, अपने पासवर्ड को समय-समय पर जरूर बदलते रहें। जैसे हर मौसम के साथ खान-पान बदल जाता है, पहनावा भी बदल जाता है, वैसे ही नियम बना लीजिए कि हर कुछ दिन के बाद आपको अपना पासवर्ड भी बदल लेना है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि कारोबारियों से भी धोखाधड़ी की खबरें देखने को मिलती हैं। उन्होंने कहा, ''कोई फोन करता है और कहता है मैं एक बड़ा अधिकारी हूं। आपको कुछ विवरण साझा करने होंगे। इसके बाद भोले-भाले लोग ऐसा ही कर बैठते हैं। इसीलिए, आपका सतर्क रहना, जागरूक रहना बेहद जरूरी है।''

केवाईसी प्रक्रिया का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब लोगों को बैंकों से केवाईसी अपडेट का अनुरोध करने वाले संदेश प्राप्त होते हैं, तो वे हैरान हो सकते हैं कि यह क्यों आवश्यक है, क्योंकि वे पहले ही प्रक्रिया पूरी कर चुके हैं। उन्होंने कहा, ''मेरा आपसे आग्रह है, झुंझलाइए नहीं, ये आपके पैसे की सुरक्षा के लिए ही है। हम सभी जानते हैं कि आजकल पेंशन, सब्सिडी, बीमा, यूपीआई सब कुछ बैंक खाते से जुड़ा है। इसी वजह से बैंक समय-समय पर पुनः केवाईसी करते हैं, ताकि आपका बैंक खाता सुरक्षित रहे।''

मोदी ने कहा, ''आपको एक बात याद रखनी है। जो अपराधी हैं, वे फर्जी कॉल करते हैं, एसएमएस और लिंक भेजते हैं। इसीलिए हमें सतर्क रहना है और ऐसे धोखेबाजों के झांसे में नहीं आना है।''

मोदी ने उल्लेख किया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल में इन मुद्दों पर केंद्रित एक वित्तीय साक्षरता सप्ताह आयोजित किया और यह अभियान पूरे साल जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से आरबीआई की सलाह मानने और अपना केवाईसी अपडेट रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''याद रखिए सही केवाईसी, समय पर पुनः केवाईसी करे खाता सुरक्षित। सशक्त नागरिक बनें, क्योंकि सशक्त नागरिकों से ही बनता है मजबूत और आत्मनिर्भर भारत।''

मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयों में होगी मंदिर प्रबंधन की पढ़ाई : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को घोषणा की कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के लिए राज्य के विश्वविद्यालयों में मंदिर प्रबंधन को विषय के तौर पर पढ़ाया जाएगा।

यादव ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, ''हम मंदिर प्रबंधन को एक विषय के तौर पर विश्वविद्यालयों की पढ़ाई से जोड़ रहे हैं। हमने मंदिर प्रबंधन विषय पर अकादमिक पाठ्यक्रम संचालित करने का निर्णय किया है।''

उन्होंने बताया कि इन पाठ्यक्रमों में धार्मिक पर्यटन के साथ ही मंदिरों की वित्तीय व

प्रशासनिक व्यवस्था, सुरक्षा आदि की पढ़ाई कराई जाएगी।

यादव ने बताया कि इस सिलसिले में उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय ने पहल करते हुए मंदिर प्रबंधन विषय पर डिप्लोमा और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पेश किए हैं जिनके जरिये विद्यार्थियों को विद्वानों के जरिये सैद्धांतिक और व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा,''मंदिर हमेशा से हमारे लिए आस्था, श्रद्धा और विश्वास के केंद्र रहे हैं। हम कोशिश कर रहे हैं कि मंदिरों के उचित प्रबंधन के जरिये किस तरह अर्थव्यवस्था को गति दी जा सकती है।''

यादव ने कहा कि उज्जैन के 'श्री महाकाल महालोक' की तर्ज पर राज्य के 13 तीर्थस्थलों पर धार्मिक गलियारे बनाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने 'श्री महाकाल महालोक' परिसर से फाइबर की मूर्तियां हटाकर वहां पत्थरों और धातुओं की प्रतिमाएं लगाने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया,''देश की प्राचीन स्थापत्य कला पर आधारित ये प्रतिमाएं उज्जैन में ही गढ़ी जा रही हैं। इससे स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिल रहा है।''

एंब्रेयर के सीईओ ने भारत को केसी-390 विमान का वैश्विक उत्पादन केंद्र बनाने की प्रतिबद्धता जताई

नई दिल्ली/भाषा। ब्राजील की विमानन कंपनी एंब्रेयर ने रविवार को कहा कि अगर उसे भारतीय वायु सेना का 80 परिवहन विमानों का अनुबंध मिलता है, तो वह अपने केसी-390 मिलेनियम विमानों के लिए एक बड़ा विनिर्माण केंद्र स्थापित करने के लिए तैयार है। एंब्रेयर के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फ्रांसिस्को गोम्स नेटो ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक विशेष साक्षात्कार ने केसी-390 मिलेनियम को भारत के लिए सबसे अच्छा विकल्प बताया। उन्होंने कहा कि उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्यों देशों द्वारा इस विमान को अपनाने के बाद इसे अब वैश्विक मानक के रूप में देखा जा रहा है। एंब्रेयर के सीईओ नेटो ने कहा, हमारा विमान चुनने से भारतीय वायु सेना आधुनिक और तेजी से बढ़ रही दूसरे देशों की वायु सेनाओं के साथ समन्वय रख सकेगी। उन्होंने कहा कि अगर भारत का अनुबंध एंब्रेयर को मिलता है, तो कंपनी भारत को अपने विमान विनिर्माण का मुख्य केंद्र बनाएगी, ताकि एशिया-प्रशांत क्षेत्र की जरूरतों को पूरा किया जा सके। एंब्रेयर के सीईओ ने बताया कि कंपनी भारत में केसी-390 संचालकों के लिए एक विशेष क्षेत्रीय एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल) केंद्र स्थापित करने पर विचार कर रही है।

मुंबई हवाई अड्डे के फ्लाईओवर के नीचे 'सामुदायिक शहरी फार्म' विकसित किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई की उपेक्षित जगहों को फिर से जीवंत बनाने की कोशिशों के तहत बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 के पास स्थित एक फ्लाईओवर के नीचे के क्षेत्र को विशाल सामुदायिक शहरी फार्म में तब्दील करने की योजना बनाई है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना मुंबई में वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे (डब्ल्यूईएच) कॉरिडोर को लेकर संभवत: अपनी तरह की पहली पहल है, जिसका मकसद 24,000

वर्ग फुट के इलाके को एक हरे-भरे कृषि क्षेत्र में बदलना है, जहां स्थानीय लोग फल, सब्जियां और अन्य पौधे उगा सकें।

अधिकारियों के मुताबिक, छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास टी-1 एक्वा लाइन मेट्रो स्टेशन के बगल में स्थित इस परियोजना का काम अगले महीने शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि परियोजना में बीएमसी की भूमिका जमीन, पानी और बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने तक सीमित है, जबकि बाकी का काम 'स्वच्छ पार्ले अभियान' और 'पार्ले वृक्ष मित्र' जैसे स्थानीय संगठन संभाल रहे हैं।

बीएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हमारा उद्देश्य केवल सौंदर्यीकरण या 'जॉगिंग ट्रैक' बनाने की पारंपरिक अवधारणा से आगे बढ़ना है। हम शहर में कंक्रीट की इमारतों के बीच एक कार्यात्मक हरित पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहे हैं।

'स्वच्छ पार्ले अभियान' से जुड़ी वर्षा करांबलेकर ने कहा कि प्रस्तावित योजना के तहत बीएमसी फल-सब्जी उगाने के लिए लगभग 6 फुट 3 फुट के कई समर्पित क्षेत्र बनाएंगी, जिन्हें स्थानीय लोग गोद ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि अन्य उपनगरों के निवासी भी इस परियोजना का हिस्सा बन सकते हैं।

रायसांद्रा बडेर में धूमधाम से हुआ आईमाता के धर्मरथ का बधावा व तस्वीर स्थापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सीरवी समाज ट्रस्ट, रायसान्द्रा बडेर में शनिवार को आईमाता के जयकारों की गूँज के साथ पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार माताजी के धर्मरथ (भैल) का बधावा किया गया तथा समाज के भूखंड के सामने वाले भवन में माताजी की तस्वीर, पाट एवं अखंड ज्योति की स्थापना की गई।

ट्रस्ट के पूर्व सचिव विष्णुकुमार आगलेचा ने बताया कि माताजी के मंदिर का निर्माण कार्य पूरा होने तक नियमित रूप से यहीं पर माताजी की पूजा-अर्चना की जाएगी। इससे पूर्व कलश शोभा यात्रा निकाली गई। माताजी के धर्मरथ के बधावा की बोली के लाभार्थी मांगीलाल, पेमाराम सैंणचा परिवार द्वारा बधावा किया गया।

इसके पश्चात आईमाता की तस्वीर, पाट एवं अखंड ज्योति की स्थापना की गई।इस उपलक्ष्य में बडेर में आयोजित सत्संग एवं भजन-कीर्तन में भजन गायक कलाकार जीतू बंजारा एंड पार्टी द्वारा माताजी के एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी गई। माताजी के धर्मरथ के बधावा सहित आईमाता मंदिर निर्माण सम्बन्धित विभिन्न बोलियों में सदस्यों ने बढ़-चढ़कर बोलियाँ लगाई।

मांगीलाल सैंणचा ने माताजी के बैल बधावा, ओमप्रकाश परिहारिया ने माताजी के धुपेड़ा, गेनाराम बर्फा, कानाराम पंवार, नाथुराम आगलेचा ने महाप्रसादी, कानाराम पंवार ने भवन निर्माण भूमि पूजन, राजूराम सोलंकी ने भूमिजून देव मूल, मलाराम मुलेवा ने भवन निर्माण के लिए अग्नि मूल एवं वायु मूल, सत्यनारायण मोहनलाल चोयल ने कुबेर मूल तथा विष्णुकुमार सुरेश कुमार आगलेचा ने नलकूप(बोरवेल) की बोली का लाभ लिया।

इसके अलावा कई सदस्यों ने भवन एवं मंदिर निर्माण हेतु स्टील, सीमेन्ट देने के लिए सहयोग करने का आश्वासन दिया। समाज के अध्यक्ष तुलसाराम लखावत ने सबका स्वागत किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अनेक पूर्व व वर्तमान पदाधिकारी उपस्थित थे। होसूर रोड के कृष्ण गो सेवा मंडल का कार्यक्रम में विशेष सहयोग रहा।

पंजाब पुलिस ने अमृतसर में हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया, दो लोग गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने अमृतसर में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से पांच अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद कर सीमा पार हथियार तस्करी के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

अधिकारियों ने रविवार को बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे और उनके निर्देशों पर आपराधिक तत्वों को अवैध हथियारों की खेप पहुंचाने में मदद कर रहे थे। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अमृतसर पुलिस ने सीमा पार से आने वाले अवैध हथियारों के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है, दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और पांच अत्याधुनिक पिस्तौल के साथ 10 कारतूस बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि अमृतसर के छावनी पुलिस थाने में शस्त्र अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है और अवैध हथियार नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

घर में लगी आग बुझाने के दौरान गैस सिलेंडर में विस्फोट, पुलिसकर्मियों समेत 13 लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के मजलिस पार्क में एक घर में लगी आग को बुझाने की कोशिश के दौरान एक एलपीजी (रसोई गैस) सिलेंडर फट गया, जिससे दमकलकर्मियों और पुलिसकर्मियों समेत 13 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि घर में सुबह करीब नौ बजे आग लग जाने के बाद उसे बुझाने का प्रयास कर रहे छह पुलिसकर्मी और दमकलकर्मी रसोई गैस सिलेंडर में विस्फोट के कारण घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, आग के कारण इमारत

में और आसपास मौजूद कई स्थानीय लोग भी घायल हो गए। पुलिस और दमकलकर्मियों की टीम तुरंत मौके पर पहुंचीं और उन्होंने आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''अभियान के दौरान एक एलपीजी सिलेंडर फट गया, जिससे आग बुझाने और निवासियों को निकालने की कोशिश कर रहे कई कर्मी घायल हो गए।'' उन्होंने बताया कि इस घटना में आदर्श नगर पुलिस थाने के तीन पुलिसकर्मी और वजीरपुर अग्निशमन कार्यालय के तीन अधिकारी घायल हो गए।

गुजरात तट पर पांच करोड़ रुपए की विदेशी सिगरेट जब्त, चार ईरानी नागरिक गिरफ्तार

अहमदाबाद/भाषा। भारतीय तटरक्षक बल ने गुजरात तट के पास अरब सागर में एक विदेशी नौका से लगभग पांच करोड़ रुपए मूल्य की विदेशी सिगरेट के 200 कार्टन जब्त किए तथा इस संबंध में चार ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया। तटरक्षक ने रविवार को बताया कि यह अभियान शनिवार को द्वारका तट के पास चलाया गया, जहां अल मुख्तार नामक एक जहाज से विदेशी कंपनी की सिगरेट के लगभग एक लाख पैकेट वाले 200 कार्टन जब्त किए गए। इस संबंध में, जहाज पर सवार चालक दल के चार ईरानी सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया।

भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जब्त की गई सिगरेट का अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य 2.5 करोड़ रुपए से पांच करोड़ रुपए के बीच होने का अनुमान है। तटरक्षक के अनुसार, नौका को आगे की जांच और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा चालक दल से संयुक्त पूछताछ के लिए गुजरात के पोरबंदर ले जाया जा रहा है। इससे पहले, आईसीजी और गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने 16 फरवरी को एक संयुक्त अभियान में गुजरात तट पर 200 किलोग्राम से अधिक संदिग्ध मादक पदार्थ जब्त किए थे और इस सिलसिले में दो ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया था।

सऊदी अरब से आपूर्ति बढ़ी, प्रतिबंधों के दबाव में रूस से कच्चे तेल का आयात घटा : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की कच्चे तेल की आयात रणनीति अब एक नए बदलाव के दौर में प्रवेश कर रही है। आयातित खेप के आंकड़े और विश्लेषक बताते हैं कि सऊदी अरब के नेतृत्व में पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ता अपनी बाजार हिस्सेदारी फिर से हासिल कर रहे हैं। वहीं, रूसी तेल की आवक अब भी महत्वपूर्ण बनी हुई है, लेकिन भू-राजनीति और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के चलते इसमें कमी आ रही है।

रूस से होने वाली आपूर्ति में कमी आने के कारण एक से 18 फरवरी के दौरान भारत का कुल कच्चा तेल आयात गिरकर औसतन 48.5 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रह गया। यह जनवरी के 5.25 लाख बीपीडी के मुकाबले आठ प्रतिशत कम है। पिछले महीने प्रमुख रूसी निर्यातकों पर अमेरिकी प्रतिबंधों और यूरोपीय संघ के 18वें प्रतिबंध पैकेज के प्रभावी होने के बाद वहां से आने वाले तेल के प्रवाह में यह गिरावट देखी गई है। जहाजों की आवाजाही के निगरानी आंकड़ों से पता चलता है कि भारत को होने वाली रूसी आपूर्ति दिसंबर, 2025 के 12.8 लाख बीपीडी से घटकर जनवरी में 12.2 लाख बीपीडी रह गई और फरवरी की शुरुआत में यह लगभग 10 प्रतिशत और घटकर 10.9 लाख बीपीडी पर आ गई। वैश्विक जिंस आंकड़े विश्लेषक कंपनी 'केपलर' के मुख्य शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, फरवरी में भारत का रूसी कच्चा तेल आयात लगभग 10-12 लाख बीपीडी रहने का अनुमान है, जिसके मार्च में घटकर करीब 8-10 लाख बीपीडी तक आने की संभावना है।

वर्ष 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद भारी छूट पर मिलने के कारण भारत ने रूसी तेल की खरीद बड़े पैमाने पर शुरू की थी, लेकिन अब यह आवक बढ़ने के बजाय स्थिर होती दिख रही है। उन्होंने कहा, ''हालांकि, हम इसे एक अल्पकालिक स्थिरता के रूप में देख रहे हैं, न कि 2025 के मध्य में देखे गए उच्चतम स्तर पर वापसी के रूप में। हमारा अनुमान है कि व्यावसायिक और नीतिगत बाधाओं के कारण, 2024-2025 की तुलना में 2026 में भारत के कुल आयात में रूस की हिस्सेदारी धीरे-धीरे कम होकर एक निचले स्तर पर स्थिर हो जाएगी।''

दिल्ली में आतंकी साजिश : बांग्लादेशी नागरिक समेत आठ संदिग्ध गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और बांग्लादेश स्थित चरमपंथी संगठनों के इशारे पर दिल्ली में एक बड़ी आतंकी साजिश रचने के आरोप में आठ संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों से छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है और उन्हें पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जाएगा। गिरफ्तार किए गए कुछ व्यक्ति बांग्लादेशी नागरिक बताए जा रहे हैं। इससे पहले इसी मामले से संबंधित कार्रवाई के दौरान दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया था।

केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने यह सूचना दी थी कि पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने कथित तौर पर भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की साजिश रची है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने शनिवार को यहां लाल किले के पास विस्फोट की आशंका को लेकर अलर्ट जारी किया था। सूत्रों ने बताया कि यह अभियान देश के विभिन्न हिस्सों में विध्वंसक गतिविधियों की योजना बना रहे एक संदिग्ध मॉड्यूल के बारे में मिली विशिष्ट खुफिया जानकारी के बाद चलाया गया था। तलाशी के दौरान पुलिस ने संदिग्धों के कब्जे से दर्जनों मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए, जिनकी नेटवर्क के विस्तार और संभावित विदेशी संबंधों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह समूह पाकिस्तान की आईएसआई और बांग्लादेश स्थित कुछ संगठनों से जुड़े लोगों के संपर्क में था। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियां जांच में मदद कर रही हैं।

एआई सम्मेलन में किया गया प्रदर्शन सार्वजनिक व्यवस्था पर सीधा हमला : अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने कहा कि 'एआई इम्पैक्ट' शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए गिरफ्तार किए गए भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के कार्यकर्ताओं का आचरण असहमति जताने का वैध तरीका नहीं था, बल्कि यह ''सार्वजनिक व्यवस्था पर एक सीधा हमला'' था, जिसने देश की ''कूटनीतिक छवि'' को भी नुकसान पहुंचाया।

न्यायिक मजिस्ट्रेट रवि ने शनिवार को यह टिप्पणी तब की, जब भारत मंडपम में ''कमीज उतारकर'' विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए भारतीय युवा कांग्रेस के चार कार्यकर्ताओं को उनकी अदालत में पेश किया गया।

अदालत ने प्रदर्शनकारियों से पूछताछ के लिए पुलिस को उन्हें पांच दिन की हिरासत में रखने की अनुमति दी।

मजिस्ट्रेट ने हिरासत में लेकर पूछताछ करने की अनुमति मांगने संबंधी दिल्ली पुलिस की याचिका को स्वीकार किए जाने के कारणों के बारे में बताते हुए कहा कि आरोपी बिहार, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना के दूरदराज के इलाकों से हैं, जिससे उनके फरार होने की अत्यधिक आशंका है।

अदालत ने कहा कि ''प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों से बाहरी साजिश के संबंधों का संकेत मिलने से यह स्थिति और भी गंभीर'' हो जाती है।

मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश की प्रति 'पीटीआई-भाषा' ने भी देखी है।

मजिस्ट्रेट रवि द्वारा पारित आदेश के एक अंश में कहा गया है कि विरोध प्रदर्शन ने न केवल आयोजन की शुचिता को खतरे में डाला, बल्कि देश की राजनयिक छवि को भी नुकसान पहुंचाया।

अदालत के आदेश में कहा गया, ''आरोपियों पर आरोप है कि उन्होंने वैश्विक प्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति वाले प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एआई शिखर सम्मेलन 2026 के दौरान भारत मंडपम के उच्च सुरक्षा वाले परिसर में घुसने की सुनियोजित साजिश रची।''

इसमें कहा गया है कि प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर ''भड़काऊ नारों वाली टी-शर्ट पहन रखी थी, जिन पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के दौरान प्रधानमंत्री झुक गए के आपत्तिजनक नारे लिखे थे।

आदेश में कहा गया कि प्रदर्शनकारियों ने लोक सेवकों को उनके कर्तव्यों का निर्वहन करने में बाधा डाली और पुलिसकर्मियों पर शारीरिक हमले किए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं, जैसा कि रिकॉर्ड में मौजूद 'मेडिको-लीगल' मामलों (एमएलसी) से प्रमाणित होता है।

मजिस्ट्रेट ने कहा, ''ऐसा आचरण वैध तरीके से असहमति जताए जाने की परिधि से स्पष्ट रूप से परे है और सार्वजनिक व्यवस्था पर स्पष्ट हमले के समान है। यह न केवल आयोजन की गरिमा को खतरे में डालता है, बल्कि विदेशी हितधारकों के समक्ष गणराज्य की कूटनीतिक छवि को भी प्रभावित करता है...।''

मजिस्ट्रेट ने कहा कि जांच से पता चलता है कि आरोपियों के कई सहयोगी संभवत: फरार हैं, जो डिजिटल सबूतों, वित्तीय सुरागों आदि से छेड़छाड़ कर सकते हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि कथित अपराधों के लिए ''गहन जांच'' जरूरी है, क्योंकि वे एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर सार्वजनिक व्यवस्था और देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 121 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य से रोकने के लिए जानबूझकर चोट पहुंचाना) और धारा 61 (2) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत तीन साल से अधिक की सजा का प्रावधान रखते हैं।

अदालत ने कहा कि चारों आरोपियों को 25 फरवरी तक यानी पांच दिन पुलिस हिरासत में रखे जाने की अनुमति दी जाती है।

गिरफ्तार किए गए प्रदर्शनकारियों में बिहार से युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा हरि, बिहार से युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव कुंदन यादव; उत्तर प्रदेश से युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार और तेलंगाना से नरसिंह यादव शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जयललिता को श्रद्धांजलि दी, महिलाओं के लिए उनके कल्याणकारी कार्यों की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु की दिवंगत मुख्यमंत्री जे. जयललिता को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि महिलाओं के कल्याण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के सराहनीय प्रयासों के लिए वह हमेशा लोगों के दिलों में रहेंगी।

पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की 24 फरवरी को जयंती है।

अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में मोदी ने कहा कि सिर्फ 'अम्मा' का नाम सुनते ही तमिलनाडु के लोगों के चेहरों पर एक अलग ही चमक आ जाती है।

जयललिता को 'अम्मा' कहकर पुकारा जाता था।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि समाज कल्याण के लिए काम करने वाले और अपने नेक कार्यों में जनता को प्राथमिकता देने वाले लोग हमेशा भारत के लोगों के दिलों में बसे रहते हैं।

मोदी ने कहा कि जयललिता ऐसी ही एक लोकप्रिय नेता थीं। उन्होंने कहा कि जब भी वह तमिलनाडु का दौरा करते हैं तो

उन्हें अब भी वहां के लोगों का जयललिता के प्रति गहरा स्नेह महसूस होता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ''माताओं, बहनों और बेटियों के कल्याण'' के लिए जयललिता के सराहनीय प्रयासों और राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उनके द्वारा उठाए गए ठोस कदमों के कारण देश की 'नारी शक्ति' का उनसे संबंध और भी विशेष हो गया है। उन्होंने कहा, ''अम्मा जयललिता जी तमिलनाडु के लोगों के दिलों में बसती हैं। देशभक्ति की भावना उनमें गहराई से समाई हुई थी।''

मोदी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री को भारत की सांस्कृतिक विरासत पर भी गहरा गर्व था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात का भी जिक्र किया कि जयललिता ने 2002 और 2012 में गुजरात में उनके मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोहों में भी भाग लिया था। उन्होंने कहा, ''जब हम दोनों अपने-अपने राज्यों के मुख्यमंत्री थे, तब हम अक्सर सुशासन जैसे विषयों पर चर्चा करते थे। उनकी सोच एकदम स्पष्ट थी, जो उनकी एक महत्वपूर्ण विशेषता थी।''

मोदी ने बताया कि कई साल पहले, जयललिता ने पोंगल के अवसर पर उन्हें चेन्नई में दोपहर के भोजन पर आमंत्रित किया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''वह स्नेहपूर्ण भाव मेरे लिए अविस्मरणीय रहेगा...जनता के प्रति उनकी सेवाओं को हमेशा याद रखा जाएगा।''

स्टालिन राज्य में अधिकारों के हनन का झूठा विमर्श गढ़ रहे हैं: भाजपा नेता सुंदरराजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नमक्कल (तमिलनाडु)/भाषा। भाजपा की वरिष्ठ नेता तमिलिसाई सुंदरराजन ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार पर तीखा हमला करते हुए मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पर प्रशासनिक विफलताओं और भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए अधिकारों से वंचित किए जाने का एक झूठा विमर्श गढ़ने का आरोप लगाया है।

सुंदरराजन ने कहा, ''तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का कहना है कि केंद्र सरकार कृत्रिम आर्थिक योजना और कृत्रिम आर्थिक मंदी ला रही है। वह (स्टालिन) केवल कृत्रिम रूप से अधिकारों से वंचित किए जाने की बातें गढ़ रहे हैं। तमिलनाडु में ऐसा नहीं है कि किसी के पास अधिकारों की कमी है या अधिकारों को छीना जा रहा है। मुख्यमंत्री एक तरह का भ्रम पैदा कर रहे हैं जैसे कि अधिकारों का दमन किया जा रहा हो।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनावी घोषणापत्र के लिए हितधारकों से सुझाव लेने के बाद शनिवार देर रात यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यपाल ने कहा कि राज्य की प्रगति के लिए ''डबल इंजन की सरकार'' ही एकमात्र समाधान है। उन्होंने कहा, ''हम केंद्र में सत्ता में हैं और राज्य में भी शासन करेंगे। यह घोषणापत्र निश्चित रूप से जनता की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करेगा।''

वरिष्ठ नेता ने केंद्र सरकार के साथ टकराव का रुख अपनाने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की। उन्होंने कहा कि केंद्र की वित्तीय नीतियां पूरे देश में एक समान हैं, फिर भी मुख्यमंत्री यह भ्रम पैदा कर रहे हैं कि राज्य के अधिकारों का हनन हो रहा है।

सुंदरराजन ने कहा, ''तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के लिए अलग-अलग वित्तीय नीतियां जैसी कोई बात नहीं है। चूंकि सभी राज्यों के लिए वित्तीय नीति एक ही है, इसलिए हम तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के इस तरह के बयान को बर्दाश्त नहीं करेंगे जैसे कि राज्य की उपेक्षा या उसे धोखा दिया जा रहा हो।''

तमिलनाडु की आर्थिक वृद्धि अन्नाद्रमुक शासन की परियोजनाओं का परिणाम : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने दावा किया है कि तमिलनाडु में दर्ज की जा रही 11.19 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि पिछली सरकार की औद्योगिक परियोजनाओं के कारण है।

विपक्ष के नेता पलानीस्वामी ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के उस दावे का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि तमिलनाडु ने 10.62 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं और इनमें से 77 प्रतिशत परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। पड़ोसी तिरुवल्लुर में शनिवार देर रात एक जनसभा को संबोधित करते हुए पलानीस्वामी ने कहा, अगर ऐसा होता तो आज तक 25 लाख नौकरियां पैदा होनी चाहिए थीं। मुख्यमंत्री जो कह रहे हैं वह सरासर झूठ है।

आगामी विधानसभा चुनावों में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) और उसके गठबंधन सहयोगियों के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि 2019 में तत्कालीन अन्नाद्रमुक सरकार ने (वैश्विक निवेशक सम्मेलन) का आयोजन किया था।

उन्होंने दावा किया कि उस दौरान विभिन्न कंपनियों के साथ 304 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिससे 3.05 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता मिली थी।

पलानीस्वामी ने कहा, उस समय लगभग 10 लाख रोजगार के अवसर पैदा हुए थे।

उन्होंने जोर देकर कहा कि अन्नाद्रमुक शासन के दौरान जिन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए थे उसके तहत स्थापित औद्योगिक परियोजनाएं द्रमुक सरकार के दौरान चालू हुईं, जिसके कारण राज्य ने 11.19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

भाजपा ने नियुक्तियों में धांधली को लेकर नेहरू को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को नगर प्रशासन विभाग में नियुक्तियों में कथित अनियमितताओं को लेकर तमिलनाडु सरकार से मंत्री के.एन. नेहरू को मंत्रिमंडल से हटाने और मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की। नेहरू के पास नगर प्रशासन, शहरी और जल आपूर्ति विभाग का प्रभार है।

यह घटनाक्रम मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा 20 फरवरी को दिए गए उस निर्देश के बाद सामने आया जिसमें सतर्कता और भ्रष्टाचार रोधी निदेशालय (डीवीएसी) को नगर प्रशासन और जल आपूर्ति विभाग में नियुक्तियों में कथित रिश्वतखोरी के मामले में नेहरू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया था।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रवक्ता ए.एन.एस. प्रसाद ने एक बयान में कहा कि उच्च न्यायालय के फैसले ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार की संस्थागत लूट का पर्दाफाश कर दिया है।

प्रसाद ने कहा, मुख्य न्यायाधीश मनींद्र मोहन श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने डीवीएसी को बिना किसी देरी के मंत्री के.एन. नेहरू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन को इस मामले की सीबीआई जांच के आदेश देने चाहिए।

प्रसाद ने तर्क दिया, मंत्री नेहरू को नैतिक मानकों का पालन करते हुए तुरंत इस्तीफा देकर नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए और जांच में पूरा सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि नेहरू इस्तीफा नहीं देते हैं तो मुख्यमंत्री स्टालिन को बिना किसी हिचकिचाहट के उन्हें पद से हटा देना चाहिए।

महाराष्ट्र की छात्रा चेन्नई के समुद्र तट पर डूबी, एक छात्र लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। चेन्नई में समुद्र में उतरने के बाद महाराष्ट्र की एक छात्रा डूब गई और एक अन्य छात्र लापता हो गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शनिवार को हुई। उन्होंने बताया कि अभी यह पता नहीं चल सका है कि विद्यार्थी किस संस्थान के हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने तमिलनाडु के अधिकारियों से खोज और बचाव अभियान तेज करने की अपील की है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय (सीएमओ) ने तमिलनाडु सरकार से मिली जानकारी के हवाले से 'एक्स' पर बताया कि 26 विद्यार्थियों का एक समूह चेन्नई के गोल्डन बीच पर घूमने गया था, जहां उनमें से तीन विद्यार्थी समुद्र में उतरे थे। सीएमओ के अनुसार, महाराष्ट्र के भंडारा जिले की रहने वाली मयूरी चौधरी समुद्र में डूब गई, जबकि जय पाटिल लापता हो गया। पाटिल की तलाश के लिए युद्ध स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। सीएमओ के अनुसार, एक अन्य छात्र राज केदारी को बचा लिया गया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस ने तुरंत तमिलनाडु सरकार से संपर्क किया और वह राहत व बचाव अभियान की निरंतर निगरानी कर रहे हैं।

फडणवीस ने मयूरी चौधरी की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने लापता छात्र की तलाश करने और बचाव अभियान में तेजी लाने तथा प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान करने का तमिलनाडु सरकार से आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि लापता छात्र जय पाटिल के रिश्तेदार चेन्नई पहुंच गए हैं, जबकि मयूरी चौधरी के परिवार के सदस्य नागपुर से रवाना हो चुके हैं। सीएमओ के अनुसार, राज्य (महाराष्ट्र) प्रशासन प्रभावित परिवारों के साथ लगातार संपर्क में है और सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है।

कोझिकोड में बदमाशों ने बिल चुकाने से इनकार किया, रेस्तरां में तोड़फोड़ की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड (केरल)/भाषा। केरल के कोझिकोड में तीन बदमाशों ने एक रेस्तरां में भोजन करने के बाद बिल का भुगतान करने से इनकार कर दिया और कथित तौर पर वहां तोड़फोड़ की। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया है और अन्य दो आरोपियों की तलाश जारी है।

यह घटना शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे कोझिकोड में एमआईएमएस (मालाबार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) अस्पताल के सामने स्थित फास्ट फूड रेस्तरां 'अलियान्स होटल' में हुई।

पुलिस के अनुसार, तीन बदमाश होटल पहुंचे और उन्होंने लगभग 600 रुपये का खाना खाया। एक अधिकारी ने बताया कि जब होटल के कर्मचारियों ने उन्हें भोजन का बिल दिया तो आरोपियों ने कथित तौर पर भुगतान करने से इनकार कर दिया और दावा किया कि इलाके का कोई भी रेस्तरां उनसे पैसा नहीं लेता है। पुलिस ने बताया कि कहासुनी के बाद, आरोपियों ने कथित तौर पर लोहे की छड़ से रेस्तरां में तोड़फोड़ की जिससे डिस्प्ले बोर्ड और कांच की अलमारी क्षतिग्रस्त हो गई, जिसमें खाद्य पदार्थ रखे गए थे।

शाहनाद नाम के एक रेस्तरां कर्मचारी को हमले में चोटें आईं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हाल में शुरू हुए इस होटल को लगभग 1.2 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

पुलिस के घटनास्थल पहुंचने से पहले रेस्तरां के कर्मचारियों और अन्य लोगों ने आरोपियों में से एक को पकड़ लिया था जबकि दो वहां से भागने में सफल रहे।

मेडिकल कॉलेज पुलिस ने रविवार को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अधिकारियों ने बताया कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति को जल्द ही औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अन्य दो आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

पुलिस ने बताया कि आरोपी पहले भी कई आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे हैं।

शबरिमला के तंत्री को स्वर्ण गबन मामले में 'फंसाया' गया : कांग्रेस नेता चेन्निथला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने रविवार को आरोप लगाया कि शबरिमला के तंत्री (प्रधान पुजारी) को स्वर्ण चोरी मामले में ''जानबूझकर फंसाया गया''। उन्होंने बिना किसी सबूत के तंत्री की गिरफ्तारी के पीछे राजनीतिक हस्तक्षेप का संदेह जताया।

चेन्निथला ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा नियंत्रित थी और तंत्री कंडारारु राजीवरु को इसलिए गिरफ्तार किया गया, ताकि जांच कुछ 'बड़े लोगों' तक न पहुंच सके।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि एसआईटी केरल उच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने में विफल रही और उसने मामले के पीछे कथित साजिश की उचित जांच नहीं की।

चेन्निथला ने कहा कि हालांकि तंत्री को भगवान अय्यप्पा के पिता के रूप में पूजा जाता है, फिर भी उन्हें बिना किसी सबूत के गिरफ्तार कर 41 दिनों तक जेल में रखा गया। कोल्लम सतर्कता न्यायालय ने हाल में तंत्री को जमानत देते हुए टिप्पणी की थी कि उनके खिलाफ कोई भी सबूत नहीं है।

चेन्निथला ने कहा, ''इसलिए, हमें यह मान लेना चाहिए कि शबरिमला के तंत्री को जानबूझकर

इस मामले में फंसाया गया था। यह स्पष्ट है कि तंत्री को गिरफ्तार करने के लिए राजनीतिक हस्तक्षेप किया गया था।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ ''बड़े लोगों'' को गिरफ्तार करने के स्पष्ट सबूत होने के बावजूद, इस संबंध में अब तक उनपर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि तंत्री को जांच की दिशा बदलने और यह सुनिश्चित करने के लिए गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था कि यह मामला देवस्वोम मंत्री वी एन वासवन और पूर्व मंत्री कडकम्पल्ली सुरेंद्रन तक न पहुंचे।

चेन्निथला ने त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष पी एस प्रशांत पर स्वर्ण गबन के मामले में गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप भी लगाया। उन्होंने हालांकि कहा कि प्रशांत से गुप्त रूप से पूछताछ की गई और उन्हें छोड़ दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में करारी हार का सामना करने के बाद एसआईटी जांच में बाधा डालने का निर्णय उच्च स्तर पर लिया गया था। चेन्निथला ने कहा कि राज्य की जनता इस मामले के राजनीतिक दुरुपयोग के खिलाफ मुंहतोड़ जवाब देगी।

तमिलनाडु चुनावः आईयूएमएल ने द्रमुक से पांच विधानसभा सीट आवंटित करने का अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के अध्यक्ष कादर मोहिदीन ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) से रविवार को औपचारिक रूप से अनुरोध किया कि वह आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए उन्हें पांच सीट प्रदान करे।

आईयूएमएल नेता ने गठबंधन के भीतर व्यापक मुस्लिम प्रतिनिधित्व की वकालत करते हुए कहा कि द्रमुक नीत गठबंधन में विभिन्न मुस्लिम संगठनों को 16 निर्वाचन क्षेत्र आवंटित किए जाने चाहिए ताकि विधायिका में उनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। द्रमुक इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए गठित 'सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस' (एसपीए) का नेतृत्व कर रही है।

टी आर बालू के नेतृत्व वाली द्रमुक की सीट-बंटवारा समिति के साथ बैठक के बाद मोहिदीन ने आईयूएमएल की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी से कहीं अधिक है।

उन्होंने आईयूएमएल को तमिलनाडु में 60 लाख से अधिक मुस्लिम मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करने वाली 'समुदाय-आधारित राजनीतिक पार्टी' करार दिया।

उन्होंने कहा, ''कलाइग्नार (एम. करुणानिधि) ने अपने कार्यकाल में आईयूएमएल को पांच सीट दी थीं। हमने द्रमुक के मौजूदा नेतृत्व से भी उतनी ही संख्या में सीटें आवंटित करने का अनुरोध किया है।''

कोच्चि मेट्रो रेल के खंभे पर फंसी बिल्ली को कड़ी मशक्कत के बाद बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि (केरल)/भाषा। कोच्चि मेट्रो रेल के एक खंभे पर फंसी एक बिल्ली को पशु प्रेमियों और अग्निशमन एवं बचाव सेवा के अधिकारियों के कई प्रयासों के बाद रविवार को बचा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

दमकल एवं बचाव सेवा के अधिकारियों के अनुसार, कालूर स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम मेट्रो स्टेशन के पास एक खंभे पर बिल्ली को सबसे पहले इलाके में चलने वाले ऑटो रिक्शा चालकों ने देखा था। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को बिल्ली को बचाने का प्रयास किया गया, लेकिन उसका पता नहीं चल सका।

फंसी हुई बिल्ली के बारे में खबरें आने के बाद शनिवार को पशु क्रूरता निवारण संस्था (एसपीसीए) ने उसे बचाने के प्रयास शुरू किए। बाद में, अग्निशमन एवं बचाव सेवा कर्मी भी बिल्ली के बचाने के प्रयासों में शामिल हो गए और कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड (केएमआरएल) के अधिकारियों ने 15 मिनट से अधिक समय तक बिजली कनेक्शन बंद करके सहयोग प्रदान किया लेकिन यह प्रयास भी विफल रहा क्योंकि बिल्ली दिखाई नहीं दी।

बाद में शनिवार रात को केएमआरएल का दैनिक संचालन समाप्त होने के बाद बिल्ली को ढूंढने और बचाने के लिए आधी रात के आसपास नए सिरे से प्रयास शुरू किए गए।

अधिकारियों ने बताया कि बचाव के लिए बक्से और जाल से लैस दो कर्मी रविवार को लगभग एक बजे खंभे के ऊपर पर पहुंचे, बिल्ली को देखा और उसे बचा लिया।

जब बिल्ली को नीचे उतारा गया, तब घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई और अधिकारियों के समर्थन में नारे लगाने लगी। अधिकारियों ने बताया कि बाद में उस बिल्ली को पशु पुनर्वास केंद्र में भेज दिया गया।

महिला कांग्रेस ने केरल सरकार की नीतियों के खिलाफ पांच चरणों के आंदोलन की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। महिला कांग्रेस ने केरल सरकार की कथित मूल्य वृद्धि और महिला विरोधी नीतियों के खिलाफ पांच चरणों में आंदोलन की घोषणा की है।

प्रदर्शन के पहले चरण के तहत केरल प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष एवं सांसद जेबी माथेर के नेतृत्व में सोमवार को यहां राज्य सचिवालय के सामने 24 घंटे की भूख हड़ताल की जाएगी।

महिला कांग्रेस के एक बयान के अनुसार, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष सनी जोसेफ विरोध प्रदर्शन की शुरुआत करेंगे। बयान में कहा गया है कि 24 फरवरी को भूख हड़ताल के समापन के दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव के.सी. वेणुगोपाल मौजूद रहेंगे।

दूसरे चरण में जिला अध्यक्ष 26, 27 और 28 फरवरी को जिला केंद्रों पर एक दिवसीय भूख हड़ताल का नेतृत्व करेंगे। इसके बाद दो, तीन और चार मार्च को ब्लॉक स्तर पर विरोध प्रदर्शन होंगे, जिसके बाद पांच और छह मार्च को मंडलम केंद्रों पर धरने दिए जाएंगे।

महिला कांग्रेस नेतृत्व ने यह भी कहा कि आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को वार्ड स्तर पर ''विश्वासघात दिवस'' के रूप में मनाया जाएगा।

अपने बयान में राज्यसभा सदस्य माथेर ने आरोप लगाया कि राज्य में महिलाएं बढ़ती कीमतों का खमियाजा भुगत रही हैं। उन्होंने सरकार पर मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने में विफल रहने का आरोप लगाया।

शल्य चिकित्सा में हुई चूक के मामले में महिला ने केरल की स्वास्थ्य मंत्री को 'विफल' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड (केरल)/भाषा। कोझिकोड की एक महिला ने शल्य चिकित्सा में हुई चूक के मामले में रविवार को केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज को 'विफल' करार दिया और कहा कि उसके मामले में न्याय नहीं हुआ है। वर्ष 2017 में यहां के सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रसव के दौरान महिला का ऑपरेशन हुआ था और इसके कई वर्षों बाद उसके पेट में सर्जरी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कैंची पायी गई।

पंथीरंकावु के पास मनक्कडावु की मूल निवासी हर्षीना ने पत्रकारों को बताया कि स्वास्थ्य मंत्री का यह दावा गलत है कि उनकी समस्याओं का समाधान हो गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें मुआवजा हासिल करने के लिए कई बार विरोध प्रदर्शन करना पड़ा।

हर्षीना (24) का 2017 में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में ऑपरेशन हुआ था, जिसके बाद से उन्हें लगातार दर्द रहने लगा। वर्ष 2022 में एक निजी अस्पताल में जांच के दौरान उनके पेट में कैंची होने का पता चला। उसी वर्ष सर्जरी द्वारा इसे निकाल दिया गया। हाल ही में इसी तरह का एक मामला सामने आया था जिसमें पुन्नप्रा की रहने वाली उषा जोसेफ (51) के पेट के अंदर एक कैंची पाई गई थी। जोसेफ की मई 2021 में अलप्पुझा मेडिकल कॉलेज में एक सर्जरी हुई थी।

हर्षीना ने कहा, ''स्वास्थ्य विभाग ने सभी चिकित्सा रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बावजूद चिकित्सकों की लापरवाही को स्वीकार नहीं किया। यह महसूस करते हुए कि हमें स्वास्थ्य विभाग से न्याय नहीं मिलेगा, हमने फरवरी 2023 में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज के सामने विरोध प्रदर्शन शुरू किया।'' उन्होंने बताया कि एक कार्रवाई परिषद गठित होने के बाद, परिवार ने मार्च 2023 में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें इसे चिकित्सा लापरवाही का मामला बताया गया।

हर्षीना ने कहा, ''इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री ने हस्तक्षेप किया। हालांकि उन्होंने (मंत्री) दावा किया कि स्वास्थ्य विभाग ने मेडिकल रिपोर्ट पुलिस को सौंप दी थी, लेकिन मामला हमारी शिकायत पर ही दर्ज किया गया और जांच शुरू हुई।'' उन्होंने कहा, ''स्वास्थ्य मंत्री द्वारा दिए गए आश्वासन पर हमने भरोसा किया। उन्होंने 15 दिनों के भीतर हमारी चिंताओं का समाधान करने का वादा किया था। लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो हमने नए सिरे से विरोध प्रदर्शन की घोषणा की।''

हर्षीना के अनुसार, नए सिरे से विरोध प्रदर्शन की घोषणा के बाद ही सरकार ने दो लाख रुपये का मुआवजा देने का फैसला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें शामिल चिकित्सकों और अन्य चिकित्सा कर्मियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा, ''हाल ही में स्वास्थ्य मंत्री ने दावा किया कि मेरी समस्या का समाधान हो गया है। लेकिन बदले में क्या दिया गया? मुझे जो कुछ सहना पड़ा और जिस दर्द से मैं अब भी जूझ रही हूं, उसके बदले में सिर्फ दो लाख रुपये दिए गए।'' इस बीच, माकपा के प्रदेश सचिव एम वी गोविंदन ने रविवार को कहा कि चिकित्सा संबंधी लापरवाही के मामले ''नगण्य'' हैं और इन्हें बढ़ा-चढ़ाकर नहीं पेश किया जाना चाहिए। गोविंदन ने कहा, ''लाखों ऑपरेशन हो रहे हैं। बड़ी संख्या में यहां होने वाले ऑपरेशन की संख्या पर विचार किए बिना इसे बढ़ा-चढ़ाकर नहीं पेश किया जाना चाहिए। एक-दो घटनाएं हो सकती हैं, और यह कोई आमतौर पर होने वाली घटना नहीं है।''

सूर्य किरण और सारंग एयर शो प्रेरणा देने वाला, जोश जगाने वाला : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने रविवार को जलमहल पाल पर भारतीय वायु सेना द्वारा एयरोबेटिक सूर्यकिरण एवं सारंग का मनोहारी प्रदर्शन देखा। उन्होंने इसे सेना का ऐतिहासिक बताते हुए जोश जगाने वाला, माँ भारती के लिए संकल्पबद्ध हो कार्य करने की प्रेरणा देने वाला बताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री श्रीमती दियाकुमारी भी उपस्थित रहे।

हमारी सीमाओं पर अहर्निश कार्य करने वाले सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान की भावना को और सुदृढ़ करने वाला है। उन्होंने कहा कि सूर्यकिरण एवं सारंग का प्रदर्शन माँ भारती के प्रति हर नागरिक को संकल्पबद्ध होकर कार्य करने की प्रेरणा देने वाला है। राज्यपाल ने जनवरी में जयपुर में आयोजित आर्मी परेड की चर्चा करते हुए कहा कि पहली बार सेना क्षेत्र से बाहर राजस्थान की धरती पर हमने भारतीय सेना की ताकत और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भता के प्रदर्शन साक्ष्यात हुए। उन्होंने ऑपरेशन सिन्दुर के दौरान भारतीय वायु सेना की रणनीतिक श्रेष्ठता को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि देश की रक्षा के साथ साथ आतंकवाद उन्मूलन में भी सेना ने निरंतर श्रेष्ठता साबित की है।

उन्होंने राजस्थान को शौर्य और वीरता की धरा बताते हुए वायु सेना के सूर्यकिरण और सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन के पायलटों, सेना अधिकारियों, प्रशासन की सराहना की।

राज्यपाल ने भारतीय वायु सेना द्वारा सारंग हेलीकॉप्टर के अंतर्गत जलमहल के पास आकाश को अपने रंगों से सजाने, साहस, कौशल के उत्कृष्ट प्रदर्शन से रूबरू हुए। उन्होंने उत्कृष्टता के माध्यम से प्रेरणा के ध्येय वाक्य के साथ वायु सेना के हेलीकॉप्टरों की कलाबाजियों, वायु योद्धाओं के धैर्य के साथ किये गये कौशल प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने वंदे मातरम के भाव के साथ सूर्य किरण और सारंग के एयर शो को प्रेरणादायक, माँ भारती के प्रति जोश जगाने वाला बताया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में वायु सेना के अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य जन उपस्थित रहे।

परीक्षा का तनाव कम करने की पहल : विद्यालयों में 'आभार व्यक्त' और 'जादुई पिटारा' जैसी पहल की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों में बढ़ते तनाव और घबराहट को देखते हुए राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों को मानसिक रूप से समर्थ बनाने के लिए 'आभार व्यक्त' सत्र और 'जादुई पिटारा' जैसी कई पहल की शुरुआत की है। अधिकारियों ने बताया कि विभाग का लक्ष्य है कि प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में सहयोगात्मक, सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण तैयार किया जाए, ताकि विद्यार्थी न केवल पढ़ाई में अच्छे हों बल्कि मानसिक रूप से भी संतुलित और आत्मविश्वासी बनें। अधिकारियों के अनुसार, शिक्षा निदेशालय बीकानेर द्वारा राजकीय विद्यालयों को इस दिशा में विशेष निर्देश जारी किए गए हैं।

विद्यालयी शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि विद्यालयों में योग गतिविधियां, 'आभार व्यक्त' सत्र और 'जादुई पिटारा' जैसे नवाचारों के माध्यम से विद्यार्थियों को भावनात्मक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छह से 10 वर्ष के प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों को कहानियों, कविताओं और खेलों के जरिए सोचने और समझने की क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कुणाल ने कहा कि विद्यार्थियों में 'जादुई पिटारा' के जरिए संज्ञानात्मक, भाषायी और सामाजिक विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है।

कुणाल ने कहा कि 'जादुई पिटारा' एक खेल-आधारित शिक्षण सामग्री है, जिसमें खिलौने, कठपुतलियां, पहेलियां, पोस्टर और कहानियों के जरिए बच्चों की रुचि, पसंद-नापसंद, अति संवेदनशीलता आदि का आकलन किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रार्थना सभा और बाल सभा में बच्चों को अपनी बात रखने का अवसर दिया जा रहा है। इसी प्रकार 11 से 17 वर्ष के विद्यार्थियों में शिविर, प्रेरणादायी वीडियो और चित्रों के जरिए भावनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा दिया जा रहा है।

कुणाल ने कहा कि शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए विद्यालयों में कबड्डी, वॉलीबॉल और खो-खो जैसे पारंपरिक खेलों का सहारा लिया जा रहा है, ताकि सहयोग और अनुशासन की भावना मजबूत हो सके। प्रार्थना सभा में अखबार पढ़ने और चिंतन जैसी गतिविधियां मानसिक संतुलन में मदद कर रही हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालयों में स्थापित आईसीटी लैब और योग से तनाव प्रबंधन किया जा रहा है। इसके लिए स्मार्ट टीवी और लैब में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े वीडियो दिखाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चित्रकारी, संगीत और रचनात्मक गतिविधियों से विद्यार्थियों को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का मौका मिल रहा है।

विद्यार्थियों को तनाव से दूर रखने के लिए विद्यालयों में नियमित योग सत्र, 'आभार व्यक्त' गतिविधि जैसे दैनिक नवाचारों का आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी भावनाएं साझा करने, सकारात्मक सोच विकसित करने और मानसिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित करना है। 'आभार व्यक्त' गतिविधि के अंतर्गत बच्चे नियमित रूप से 'धन्यवाद' और 'माफ' कीजिए जैसे शब्दों को अपने व्यवहार में उतारते हुए सहपाठियों, शिक्षकों और परिस्थितियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

दौसा जिले में हिस्ट्रीशीटर को अपहरण कर पीटा, मौत

जयपुर। दौसा जिले में कुछ लोगों ने एक हिस्ट्रीशीटर का अपहरण कर उसे बुरी तरह पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान मुंड फोड़ी गांव के निवासी कुंजीलाल मीणा (30) के रूप में हुई है। आरोपियों ने उसे जंगल में ले जाकर पीटा और गंभीर हालत में कार में छोड़कर फरार हो गए। बैजूपाड़ा थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि कुंजीलाल पर हमला हुआ है और उसे बुरी हालत में लोटवाड़ा गांव ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कुंजीलाल के खिलाफ बालाहेड़ी थाने में लूट, मारपीट और अन्य मामलों में 10 से अधिक मामले दर्ज थे और उसे हिस्ट्रीशीटर घोषित किया गया था।

स्कूल ऑन व्हील्स की पहल शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु समुदाय भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न अंग है। धरती की मिट्टी से जुड़ा यह समुदाय त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस समुदाय के कल्याण और सशक्तीकरण के लिए समर्पित है।

शर्मा रविवार को अंबाबाड़ी स्थित आदर्श विद्या मन्दिर के सभागार में आयोजित विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्ध घुमन्तु समुदाय अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रबुद्धजन महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु समुदायों के सशक्तीकरण के लिए ठोस क़दम उठाए हैं। हमारी सरकार ने घुमन्तु परिवारों को आश्रय उपलब्ध कराने के लिए आवासीय पट्टे वितरित किए एवं इन परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रावास की व्यवस्था की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने बजट वर्ष 2026-27 में घुमन्तु समुदाय के बच्चों की शिक्षा के लिए राज पहल कार्यक्रम की अभिनव पहल की है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम चरण में प्रत्येक जिले में एक स्कूल ऑन व्हील्स स्थापित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। इसके साथ ही प्रवास-प्रभावित क्षेत्रों में अस्थायी शिक्षा शिविर तथा शैक्षिक संभागों में 6 माह के स्कूल रेडिनेस कैम्प भी आयोजित किए जाएंगे। इससे पलायन और प्रवास के कारण नियमित विद्यालय से वंचित रहने वाले बच्चों तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री शर्मा ने अम्बाबाड़ी के पास खाटूश्याम जी जा रहे पदयात्रियों से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भंडारे में पदयात्रियों को प्रसाद का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर आमजन में उत्साह नजर आया। शर्मा ने कहा कि घुमन्तु समुदाय का राष्ट्र की संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन समुदायों ने विदेशी आक्रांताओं से लोहा लिया और हमारी संस्कृति को बनाए रखा। आजादी से पहले इस समाज ने गांव-गांव जाकर जनता को जागरूक करने के साथ ही, देश की अर्थव्यवस्था में प्रमुख रूप से सहभागिता निभाई। उन्होंने कहा कि इस समुदाय के पास कई कौशल और पारंपरिक ज्ञान है तथा यह समाज अपनी संस्कृति और परंपराओं से हमेशा जुड़ा रहा है। इस समुदाय की लोहा-शिल्प कला पूरे विश्व में प्रख्यात है। बंजारा समुदाय का व्यापारिक कौशल और उनकी यात्रा-परंपरा भारतीय व्यापार-मार्गों की रीढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महासम्मेलन समाज के उत्थान, अपनी पहचान को सम्मान दिलाने तथा विकास की मुख्यधारा में अटल स्थान बनाने की संकल्प सभा है।

एआई कर रहा चेहरे की पहचान, खुल रही डमी कैंडिडेट एवं अन्य अपराधियों की जन्मकुंडली

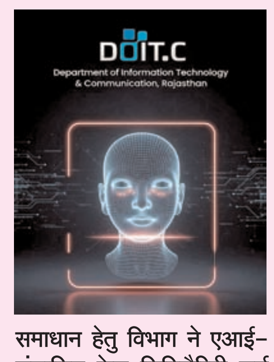

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जहां देश के दूसरे राज्य अपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यात्रा की शुरुआत चैटबॉट-बेस्ड प्लेटफॉर्म से कर रहे हैं, वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार इस मामले में काफी आगे बढ़ चुकी है। एआई-बेस्ड चैटबॉट सफलतापूर्वक संचालित करने के बाद, राजस्थान सरकार ने अब एडवांस्ड कंप्यूटर विजन-आधारित एआई एप्लिकेशन को डिप्लॉय कर बड़ी छलांग लगाई है। प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग ने जटिल फेस सिमिलैरिटी सर्च तकनीक में दक्षता प्राप्त कर इसे शासन एवं कानून प्रवर्तन के क्षेत्र में लागू किया है, जिसके सुखद नतीजे सामने आने लगे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने बताया कि विभाग के के सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट सेंटर द्वारा विकसित कंप्यूटर विजन-आधारित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फेस सिमिलैरिटी सर्च समाधानों की सिरीज को सफलतापूर्वक डिप्लॉय किया है। यह अनूठी एआई प्रणाली प्रदेश में सार्वजनिक सेवा प्रदायगी, कानून प्रवर्तन सहयोग तथा नागरिक सुरक्षा हेतु एडवांस टेक्नोलॉजी के उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं में डमी अभ्यर्थियों की घटनाओं से संबंधित उभरती चुनौतियों के समाधान हेतु विभाग ने एआई-संचालित फेस सिमिलैरिटी सर्च सिस्टम विकसित किया है। इस एप्लिकेशन की मदद से संदिग्ध अभ्यर्थी के फोटोग्राफ का पंजीकृत अभ्यर्थियों के 50 लाख रिकॉर्ड वाले मौजूदा डेटाबेस से मिलान संभव हो रहा है। उच्च-सटीकता वाले फेस सिमिलैरिटी मिलान के माध्यम से संभावित डमी कैंडिडेट के मामलों की पहचान करने में एजेंसियों को सफलता भी मिल चुकी है। यह एआई पहल सार्वजनिक भर्ती परीक्षाओं की विश्वसनीयता एवं शुचिता को सुदृढ़ कर रही है तथा पारदर्शी और निष्पक्ष चयन प्रक्रिया के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रही है। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा कानून प्रवर्तन एवं अपराध अन्वेषण एजेंसियों की सहायता हेतु एक अन्य एआई-संचालित फेस सिमिलैरिटी सर्च सिस्टम भी डिप्लॉय किया गया है, जो प्रदेश में विभिन्न मामलों में आदतन अपराधियों की पहचान में सहायक हो रहा है। इसकी मदद से अभियुक्त की छवियों का 10 लाख फोटो युक्त रिकॉर्ड वाले आपराधिक डेटाबेस से मिलान किया जा सकता है।

प्रदेश के सर्वस्पर्शी विकास को समर्पित ऐतिहासिक बजट : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य,विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर में रविवार को ग्राम पंचायत बोरानाडा में 352.37 लाख रूपये के 14 विकास कार्यों का विधिवत लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने ग्रामीणों के साथ माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 131 वें एपिसोड को सुना। पटेल ने कहा हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के सर्वस्पर्शी विकास को समर्पित ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के तहत 5 हजार करोड़ रूपये की लागत से पेरी अर्बन एरिया के 6 हजार 245 गांवों में चरणबद्ध रूप से पेयजल आपूर्ति संबंधी कार्य करवाए जाएंगे।

विधि मंत्री ने कहा जोजरी पुनरुद्धार के लिए ट्रीटेड जल से सिंचाई एवं जोधपुर जिले की औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए प्रथम चरण में 50 करोड़ रूपये के कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा जोजरी, लूणी एवं बांडी नदी में गिरने वाले ट्रीटेड वाटर को पाइप लाइन द्वारा पचपदरा रिफाइनरी तक पहुंचाने के लिए डीपीआर बनायी जायेगी।

पटेल ने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को बोरानाडा में समुचित जलापूर्ति के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने और पंचायती राज विभाग के अधिकारियों बोरानाडा में सीवरेज लाइन के लिए आवश्यक सर्वे करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा बोरानाडा पीएचसी भवन के लिए भूमि आवंटन शीघ्र किया जाएगा।

माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए नवसृजित ग्राम पंचायत बासनी सिलावटा और धन्ना भगत नगर के ग्रामीणों ने संसदीय कार्य मंत्री का भव्य स्वागत किया। साथ ही, बोरानाडा आबादी विस्तार की सौगात मिलने पर ग्रामीणों ने संसदीय कार्य मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया।

रेडियो कॉलर लगाने के बाद बाघिन को मुकुंदरा हिल्स अभयारण्य में छोड़ा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान में कोटा स्थित मुकुंदरा हिल्स अभयारण्य में पांच हेक्टेयर के बाड़े में रखी गई एक बाघिन को बेहोशी का इंजेक्शन देने के बाद रेडियो कॉलर लगाया गया और फिर 21 हेक्टेयर के बड़े बाड़े में छोड़ा गया, ताकि उसे वन क्षेत्र में अनुकूलन के लिए चरणबद्ध तरीके से तैयार किया जा सके। 'एमटी-7' नाम की मादा शावक को उसकी मां की मौत के बाद रणथंभौर बाघ अभयारण्य से बचाया गया था। इसके बाद, उसे और एक अन्य शावक को अभेदा जैविक उद्यान ले जाया गया था, जहां दोनों को लगभग 22 महीनों तक कड़ी निगरानी में रखा गया था और उनमें शिकार करने की प्राकृतिक प्रवृत्ति विकसित करने के लिए विभिन्न जीवों को उनके संपर्क में लाया गया था।

एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, बाद में मादा शावक को मुकुंदरा हिल्स अभयारण्य में पांच हेक्टेयर के बाड़े में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उसने लगभग 14 महीने बिताए। इस अवधि के दौरान उसने जंगल के माहौल में ढलने के साथ-साथ शिकार करने के कौशल और प्राकृतिक व्यवहार का प्रदर्शन किया। विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के विशेषज्ञों की एक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और वन्य जीव के व्यवहार, शिकार करने के कौशल एवं अनुकूलन क्षमता का आकलन किया।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि विस्तृत मूल्यांकन और क्षेत्रीय निरीक्षण के बाद एनटीसीए ने बाघिन को जंगल के माहौल में ढालने और वहां छोड़ने की योजना के चरणबद्ध कार्यान्वयन को मंजूरी दे दी। इसमें कहा गया है कि पहले चरण में बाघिन को पांच हेक्टेयर के बाड़े से निकालकर 21 हेक्टेयर के बड़े बाड़े में स्थानांतरित किया जाना शामिल है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्य वन्यजीव वार्डन से मंजूरी मिलने के बाद मुकुंदरा हिल्स बाघ अभयारण्य के फील्ड निदेशक द्वारा गठित एक समिति ने मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) और सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार इसे पूरा किया। इस टीम में फील्ड अधिकारी, अनुभवी पशु चिकित्सक और वन्यजीव विज्ञानी शामिल हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि बाघिन को शनिवार शाम साढ़े पांच बजे बेहोशी का इंजेक्शन देने के बाद रेडियो कॉलर लगाया गया और फिर 21 हेक्टेयर के बाड़े में छोड़ दिया गया। बाड़े में छोड़े जाने से पहले उसके स्वास्थ्य संबंधी मानक भी रिकॉर्ड किए गए।

'मन की बात' कार्यक्रम से देश का हर नागरिक हो रहा प्रेरित : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की '131वीं कड़ी' में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वाटिका स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सामुदायिक केन्द्र में आमजन के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में भारत की उपलब्धियों, तकनीकी प्रगति, सामाजिक जागरूकता और कृषि क्षेत्र की सफलताओं पर प्रकाश डाला।

उन्होंने एआई इम्पेक्ट समिट का उल्लेख करते हुए कहा कि इस समिट के माध्यम से दुनिया को एआई के क्षेत्र में भारत की अद्भुत क्षमताएं देखने को मिली हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय एआई मॉडल, डेयरी क्षेत्र में एआई के उपयोग और प्राचीन भारतीय ग्रंथों के डिजिटल संरक्षण जैसे नवाचारों ने विश्व भर के लोगों को प्रभावित किया है। भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने डिजिटल सुरक्षा पर विशेष बल देते हुए 'डिजिटल अरेस्ट' और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को लेकर सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि साइबर ठगी से बचने के लिए केवल अधिकृत माध्यमों से ही केवाईसी अपडेट करें, किसी भी अनजान कॉल या लिंक पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें तथा समय-समय पर पासवर्ड बदलते रहें। उन्होंने मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के लिए नागरिक जागरूकता को आवश्यक बताया।

मोदी ने किसानों को धरती के सच्चे साधक बताते हुए कहा कि देश के किसान अब परंपरा और तकनीक का संतुलित उपयोग कर रहे हैं तथा गुणवत्ता और उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ नए बाजार पर भी ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने ओडिशा के एक किसान द्वारा बहुउद्देशीय खेती मॉडल, केरल में धान की विविध किस्मों के संरक्षण और भारत के विश्व के सबसे बड़े चावल उत्पादक बनने जैसी उपलब्धियों को प्रेरक बताया। साथ ही, कृषि उत्पादों के निर्यात और जीआई टैग वाले उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग को किसानों की प्रगति का संकेत बताया।

श्री श्याम सत्संग मंडल संस्था की 60वीं पदयात्रा खाटू धाम के लिए रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जय श्री श्याम के जयघोष और भक्ति भाव के साथ जयपुर के रामगंज स्थित श्री श्याम प्राचीन मंदिर से श्री श्याम सत्संग मंडल संस्था की 60वीं पदयात्रा रविवार को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ खाटू श्याम मंदिर के लिए रवाना हुई। बैंडबाजा, भजन-कीर्तन और श्रद्धालुओं के उत्साह से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर नजर आया। कांवटियों का खुर्रा रामगंज स्थित मंदिर से महंत पंडित लोकेश मिश्रा के सानिध्य में पदयात्रा का शुभारंभ हुआ। इससे पूर्व आचार्य गिरधर शर्मा के आचार्यत्व में निशान पूजन हुआ। भजनामृत सत्संग में भक्तों ने भजनों के माध्यम से बाबा श्याम का गुणगान किया और वातावरण को भक्तिरस से ओतप्रोत कर दिया। संस्था के अध्यक्ष अशोक मिश्रा एवं कुंजबिहारी आभास वालों ने बताया कि संत-महंतों , सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, हवा महल विधायक बाल मुकुंदाचार्य ने बाबा श्याम की विधिवत आरती और पूजा-अर्चना कर पदयात्रा को रवाना किया। पदयात्रा में हजारों की संख्या में श्याम भक्त शामिल हुए, जो हाथों में निशान लेकर भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ आगे बढ़ते नजर आए। पदयात्रा के दौरान परकोटा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए भोजन, जलपान एवं अन्य व्यवस्थाएं श्याम भक्तों द्वारा की गई। डीजे की धुन पर भक्त नाचते-गाते, इत्र वर्षा, पुष्प वर्षा और गुलाल उड़ाते हुए बाबा श्याम की भक्ति में लीन दिखाई दिए। रामगंज से चांदपोल तक पूरा मार्ग भक्तिमय बना रहा, जहां पदयात्री हाथों में बाबा का निशान लेकर भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़े। यात्रा के दौरान चांदी के रथ में श्याम प्रभु को विराजमान कर चंवर डुलाते हुए श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पूजा-अर्चना और आरती की।

प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत' विजन की वैश्विक नेता भी सराहना कर रहे हैं : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नए व आधुनिक भारत का ''शिल्पी व निर्माता'' बताते हुए कहा कि उनके ''विकसित भारत'' विजन की वैश्विक नेता भी सराहना कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि अत्याधुनिक अवसरंचना के साथ-साथ शासकीय योजनाओं का लाभ गरीब-वंचित, अन्नदाता किसान, महिला व युवा समेत समाज के हर तबके को मिलना सुनिश्चित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को मेरठ में शताब्दी नगर नमो भारत स्टेशन पर मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर इन सेवाओं की शुरुआत की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश के विकास कार्यों की जितनी समीक्षा प्रधानमंत्री जी करते हैं, उतनी तो कोई मंत्री अपने विभागीय कार्यों की भी नहीं करता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा होली से ठीक पहले नमो भारत ट्रेन के साथ मेरठ मेट्रो का भी उपहार दिया जा रहा है। यह उपहार विकसित भारत की उस नींव को सुदृढ़ करने का नया माध्यम है, जिसमें अत्याधुनिक अवसंरचना के माध्यम से भारत की ताकत दिखती है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले मेरठ से दिल्ली की दूरी एक चुनौती होती थी। इसे तय करने में चार से पांच घंटे तक मशक्कत करनी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली दूर है, यह मानते हुए लोग थक-हार कर बैठ जाते थे और सोचते थे कि जाम में फंसना पड़ेगा। आज 12 लेन के एक्सप्रेसवे से दिल्ली व मेरठ जुड़े हैं। मेरठ से दिल्ली पहुंचने में मात्र 45-50 मिनट लगते हैं। आज प्रधानमंत्री जी ने नमो भारत रैपिड रेल व मेरठ मेट्रो का नया उपहार दिया है, जो इस दूरी को और घटा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नमो भारत, वंदे भारत, अमृत भारत के माध्यम से अत्याधुनिक-सुरक्षित तेज सार्वजनिक परिवहन सेवाएं आज भारत की पहचान बन रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मेरठ में 12,930 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मेरठ में लगभग 12,930 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कहा कि भाजपा की कार्य-संस्कृति यह सुनिश्चित करती है कि परियोजनाओं की नींव रखे जाने के बाद वे समय पर पूरी हो जाएं।

मोदी ने मेरठ में शताब्दी नगर नमो भारत स्टेशन पर मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद यहां आयोजित जनसभा में कहा कि आज का यह कार्यक्रम भाजपा की ''डबल इंजन'' सरकार की कार्य-संस्कृति को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''हमारी कार्य-संस्कृति है कि जिस कार्य का शिलान्यास किया जाए, उसे पूरा करने के लिए दिन-रात एक कर दिया जाए।'' प्रधानमंत्री ने भाषण की शुरुआत बाबा औघड़नाथ को स्मरण करते हुए की। उन्होंने कहा, ''इस पावन धरती पर, मेरठ की क्रांति धरा पर, आज 'विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित भारत' के लिए नई क्रांति को ऊर्जा मिल रही है।'' मोदी ने कहा, ''आज पहली बार एक ही मंच से नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो सेवा का एक ही दिन शुभारंभ हो रहा है। विकसित भारत की कनेक्टिविटी कैसी होगी, यह उसकी शानदार झांकी है।'' उन्होंने कहा, ''शहर के लिए मेट्रो और क्लीन सिटी के विजन को गति देने के लिए नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेन, मुझे संतोष है कि यह काम उत्तर प्रदेश में हुआ है।'' मोदी ने कहा, ''अब परियोजनाएं पहले की तरह लटकती-झटकती नहीं हैं, नमो भारत या मेट्रो सेवा का शिलान्यास का अवसर आप सबने मुझे दिया था, और मुझे ही इनके लोकार्पण का सौभाग्य मिला है।''

मेघालय में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई, 17,000 मीट्रिक टन कोयला और विस्फोटक बरामद

शिलांग/भाषा। मेघालय पुलिस ने अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में 17,000 मीट्रिक टन से अधिक कोयला और 25.5 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री जब्त की है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने यह कार्रवाई थंगस्कू इलाके में पांच फरवरी को अवैध रूप से संचालित हो रही एक कोयला खदान में हुए विस्फोट के बाद की। हादसे में 34 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। इस घटना के बाद पुलिस ने अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। पूर्वी जयंतिया हिल्स के पुलिस अधीक्षक (एसपी) पंकज कुमार रसगनिया ने बताया कि जिला पुलिस ने 20 और 21 फरवरी की दरमियानी रात को छापेमारी की।

असम विस चुनावों के लिए राजग में सीट बंटवारे समझौते पर 'सहमति बनी' : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के बीच सीट साझा करने पर सहमति बन चुकी है। असम में राजग के घटक दलों में से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम गण परिषद (एजीपी), यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के मौजूदा विधानसभा में सदस्य हैं। राभा हासोंग जौथा संग्राम समिति (आरएचजेएसएस) और जनशक्ति पार्टी (जेपी) भी राजग का हिस्सा हैं, लेकिन राज्य विधानसभा में उनका कोई सदस्य नहीं है।

हिमंत ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हमारे गठबंधन में सहमति बन चुकी है। हम जानते हैं कि कौन कहां से चुनाव लड़ेगा; इस बारे में समझौता हो चुका है। गठबंधन बनाने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा, सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद प्रदेश नेतृत्व संभावित उम्मीदवारों की सूची के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेगा।

बिहार सरकार सब्जियों में आर्सेनिक के बढ़ते स्तर को रोकने के लिए वैज्ञानिकों की मदद लेगी

पटना/भाषा। बिहार सरकार ने कुछ जिलों में पत्तेदार और अन्य सब्जियों में आर्सेनिक के बढ़ते स्तर की समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिकों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों को शामिल करने का फैसला किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने बताया कि राज्य सरकार प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी देने के लिए एक जागरूकता अभियान शुरू करने की भी योजना बना रही है।

यादव ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि आर्सेनिक-दूषित भूजल के कारण राज्य के कुछ हिस्सों में पत्तेदार सब्जियों, आलू सहित अन्य सब्जियों और फसलों में आर्सेनिक की मात्रा अधिक हो गई है। यह गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि सब्जियों में आर्सेनिक के बढ़ते स्तर को रोकने के लिए लोक स्वास्थ्य और अभियंत्रण, स्वास्थ्य और लघु जल संसाधन विभागों के वैज्ञानिकों व अधिकारियों को लगाया जाएगा। बिहार कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पत्तेदार सब्जियों में आर्सेनिक की मात्रा 0.1 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम, आलू सहित जड़ वाली सब्जियों में 0.3 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम और धान की फसलों में 1.0 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम दर्ज की गई है।

'गुलाम मानसिकता वाले बिकाऊ' लोगों से सावधान रहें बसपा कार्यकर्ता : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को अपने कार्यकर्ताओं को आगाह किया कि वे ''गुलाम मानसिकता'' वाले ''बिकाऊ लोगों'' से सावधान रहें।

मायावती ने पार्टी की अखिल भारतीय बैठक में संगठन को मजबूत बनाने व सर्वसमाज में पार्टी के जनाधार को बढ़ाने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा,''बहुजन समाज के उत्थान के बजाय, अपने थोड़े से स्वार्थ के लिए कार्य करने वाले गुलाम मानसिकता व बिकाऊ लोगों से सावधान रहें। ऐसे लोग बसपा के कारण ही आगे बढ़े। वे जब बसपा के नहीं हुए तो वे समाज के सच्चे हितैषी कैसे हो सकते हैं? ऐसे लोगों तथा उन्हें शरण देने वाली पार्टियों से भी अति सावधानी जरूरी है।'' माना जा रहा है कि मायावती का यह परोक्ष निशाना कभी करीबी सहयोगी रहे नसीमुद्दीन सिद्दीकी पर था जो हाल में सपा में शामिल हुए हैं। मायावती ने विरोधी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि इन पार्टियों की सरकारों की गरीब, किसान और बहुजन विरोधी, संकीर्ण, शोषणकारी और द्वेष पूर्ण नीतियों और भ्रष्ट क्रियाकलापों तथा कथनी एवं करनी में अंतर के कारण वे अपनी विश्वसनीयता तेजी से खो रहे हैं, लिहाजा बसपा से जनता की उम्मीदें बढ़ गई हैं। पार्टी जैसे-जैसे और जहां-जहां मजबूत होती जाएगी, विरोधियों के षडयंत्र भी लगातार बढ़ते जाएंगे, जिसका डट कर सामना करते हुए कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ते रहना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेवर में 'इंडिया चिप प्राइवेट लि.' की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्रेटर नोएडा/लखनऊ। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के जेवर स्थित यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (वाईईआईडीए) क्षेत्र में 'इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड' की आधारशिला रखी। यह परियोजना एचसीएल समूह और फॉक्सकॉन के संयुक्त उपक्रम के रूप में स्थापित की जा रही है और देश में सेमीकंडक्टर विनिर्माण को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

समारोह में उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अशिवनी वैष्णव भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर एचसीएल समूह की अध्यक्षा रोशनी नादर मल्होत्रा और फॉक्सकॉन के सेमीकंडक्टर व्यवसाय समूह के अध्यक्ष बॉब चेन भी मौजूद थे। इंडिया चिप प्राइवेट लि., एचसीएल और फॉक्सकॉन के बीच 60:40 अनुपात का संयुक्त उपक्रम है। यह अत्याधुनिक आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेम्बली एवं परीक्षण (ओसैट) सुविधा वर्ष 2028 तक संचालित होने की संभावना है। परियोजना में लगभग 3,700 करोड़ रुपये के निवेश की योजना है। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 3,500 से अधिक रोजगार सृजित होने की उम्मीद है, साथ ही स्थानीय आपूर्ति शृंखलाओं को भी मजबूती मिलेगी। प्रस्तावित संयंत्र की क्षमता प्रति माह 20,000 वेफर संसाधित करने की होगी। यहां डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स का निर्माण किया जाएगा, जिनका उपयोग मोबाइल फोन, ऑटोमोबाइल और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में व्यापक रूप से होता है। यह परियोजना देश की बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने के साथ-साथ आत्मनिर्भर और सुदृढ़ सेमीकंडक्टर आपूर्ति तंत्र के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगी।

एचसीएल समूह की स्थापना वर्ष 1976 में हुई थी और यह आधुनिक संगणना के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। आज समूह 60 से अधिक देशों में अपनी उपस्थिति रखता है और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा तथा प्रतिभा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में कार्यरत है। अपनी 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर यह पहल समूह के लिए सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक नई और महत्वपूर्ण शुरुआत मानी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संयुक्त परियोजना भारत सेमीकंडक्टर मिशन को मजबूती प्रदान करेगी और उत्तर प्रदेश को देश के उभरते प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी।

ओडिशा की सब्जी मंडी में आग लगने से 50 से अधिक दुकानें नष्ट

पारादीप (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के पारादीप कस्बे में एक सब्जी मंडी में आग लग जाने से 50 से अधिक दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जगतसिंहपुर जिले के बाजार में शनिवार देर रात लगी आग बांस और प्लास्टिक की चादरों से बनी अस्थायी संरचनाओं में तेजी से फैल गई। इस दौरान किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं है।

दमकल अधिकारी कार्तिकेश्वर बिस्वाल ने बताया कि आग लगने से दुकानों के अंदर रखी नकदी, दोपहिया वाहन और व्यापारिक लेन-देन में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के लिए दमकल सेवा की छह टीम तैनात की गई हैं। आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल सका है।

जनता की पीड़ा जैसे-जैसे बढ़ेगी, पीडीए और मजबूत होगा: अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार और कुशासन बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे जनता की पीड़ा बढ़ेगी, पीडीए और मजबूत होगा।

यादव ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार के विकास के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा, ''हमें विकास नहीं मिल रहा है। वह कहां है? जो पाइपलाइन बिछाई जा रही हैं, वे भ्रष्टाचार की पाइपलाइन हैं।'' उन्होंने मूलभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं में गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए दावा किया कि खराब गुणवत्ता की वजह से पानी की टंकियां फट रही हैं और जमीन पर भ्रष्टाचार दिख रहा है।

यादव ने कहा, ''जैसे-जैसे लोगों की पीड़ा बढ़ेगी, हमारा पीडीए (पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यक) आंदोलन बढ़ेगा।'' उन्होंने कहा कि सपा लोकतंत्र और समाज के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने की रक्षा के लिए लोगों को एकजुट करने की कोशिशें जारी रखेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रस्तावित जापान यात्रा पर निशाना साधते हुए यादव ने कहा, ''मैंने सुना है कि मुख्यमंत्री जापान जा रहे हैं लेकिन क्योटो नहीं जा रहे हैं? उन्हें वहां जाकर देखना चाहिए कि यहां क्या किया जाना था और पिछले 10 सालों में क्या नहीं कर पाए।'' भाजपा ने वर्ष 2014 में सत्ता में आने के बाद वाराणसी को क्योटो जैसा शहर बनाने की घोषणा की थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र की बड़ी परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रस्तावित बुलेट ट्रेन की लागत शुरुआती अनुमान से बहुत ज़्यादा बढ़ गई है। यादव ने भाजपा पर सोशल मीडिया पर 'फेक वीडियो' प्रसारित कर नफरत फैलाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनावी फायदे के लिए पहले भी सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिशें की गई हैं।

झारखंड के गुमला में नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म

गुमला/भाषा। झारखंड के गुमला जिले में 16 वर्षीय एक लड़की के साथ कथित तौर पर 8-10 अज्ञात लोगों ने बलात्कार किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात रायडीह थाना क्षेत्र में उस समय हुई, जब लड़की अपने एक दोस्त के साथ घर लौट रही थी।

रायडीह थाना प्रभारी संदीप कुमार यादव ने कहा, ''हमने शनिवार को लड़की के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की। उसने पुलिस को बताया कि वह एक मित्र के साथ पैदल घर लौट रही थी, तभी अचानक पुरुषों के एक समूह ने उन्हें घेर लिया। उन्होंने उसके मित्र को पीटा, लड़की को जबरन एक सुनसान जगह पर ले गए और उसके साथ बलात्कार किया।''

कांग्रेस की असम इकाई के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा भाजपा में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस की असम इकाई के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा रविवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया की उपस्थिति में सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल हो गए।

इसके कुछ ही घंटों बाद, भाजपा ने बोरा को प्रदेश कार्यकारी समिति में शामिल किया। भाजपा की असम इकाई के मुख्यालय 'वाजपेयी भवन' में आयोजित एक समारोह के दौरान बोरा भाजपा के सदस्य बन गए।

उनके साथ ही पूर्व कांग्रेस नेता संजू बोरा, राजेश कुमार जोशी, कंगन दास, गगन चंद्र बोरा और विपक्षी दल के कई अन्य कार्यकर्ता भी भाजपा में शामिल हो गए। बोरा ने 16 फरवरी को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था, जिसे पार्टी आलाकमान ने स्वीकार नहीं किया था और वरिष्ठ नेता उनके आवास पर पहुंचे थे। राहुल गांधी ने भी उनसे बात की थी। बोरा ने अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए समय मांगा था लेकिन अगले दिन मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा उनके आवास पर गए और घोषणा की कि वह 22 फरवरी को भाजपा में शामिल हो जाएंगे।

असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए मार्च-अप्रैल में चुनाव होना है। बोरा ने भाजपा में शामिल होने के बाद कहा, ''मैंने कांग्रेस से यह सोचकर इस्तीफा नहीं दिया था कि मैं भाजपा में शामिल हो जाऊंगा। मैंने यह सोचकर इस्तीफा दिया था कि कांग्रेस में हुई गलतियों के बारे में आत्मनिरीक्षण किया जाएगा और मुझे यह उम्मीद थी कि उन्हें सुधारने का वादा किया जाएगा।''' उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने उनकी ''भावनाओं को ठेस पहुंचाई'' है। बोरा ने आरोप लगाया, ''कांग्रेस ने असमिया समुदाय की भावनाओं को भी ठेस पहुंचाई है। मैंने विचारधारा, अंतरात्मा और देशभक्ति के साथ 32 वर्षों तक कांग्रेस की सेवा की; लेकिन अब मुझे दुख हुआ है।''

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। प्रयागराज में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी के खिलाफ पिछले एक साल में एक नाबालिग समेत दो व्यक्तियों के यौन शोषण के आरोपों को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह प्राथमिकी शनिवार देर रात दर्ज की गयी। इससे पहले प्रयागराज की पॉक्सो अदालत ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए थे। जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने स्वामी विमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। अधिकारियों के अनुसार, बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) कानून और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गयी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मुकुंदानंद के अलावा दो-तीन अज्ञात लोगों पर भी मुकदमा दर्ज किया है।

धोनी आईपीएल के लिए उपलब्ध, शायद सभी मैच नहीं खेलेंगे

अहमदाबाद/भाषा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र की तैयारियों के बीच एक बार फिर महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य को लेकर चर्चा तेज हो गई है कि क्या दिग्गज पूर्व कप्तान इस साल चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सभी मैचों में खेलते नजर आएंगे? फ्रेंचाइजी के एक शीर्ष सूत्र ने इसकी पुष्टि की कि 45 वर्ष के होने जा रहे धोनी आगामी आईपीएल सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ उपलब्ध रहेंगे। टीम में इस बार बड़ी रकम के साथ ट्रेडिंग के जरिए संजू सैमसन के शामिल होने के बाद हालांकि यह संभावना कम मानी जा रही है कि पूर्व भारतीय कप्तान लीग चरण के सभी मुकाबलों में खेलेंगे। सीएसके के एक वरिष्ठ सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, हम यह पुष्टि कर सकते हैं कि वह चेन्नई आ रहे हैं और उन्होंने सत्र के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है। सूत्र ने कहा, ''वह सभी मैच खेलेंगे या नहीं, यह हम फिलहाल नहीं कह सकते।''

भारतीय टीम निरंतरता बनाए रखकर विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा कायम करना चाहती है : मंधाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एडिलेड/भाषा। भारतीय महिला टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि उनकी टीम लगातार शीर्ष पर बने रहकर विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा कायम करना चाहती है।

पिछले साल पहली बार 50 ओवर का विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम की निगाहें इस साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्व कप में जीत हासिल करने पर टिकी हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीन मैच की टी20 शृंखला में हराकर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की अपनी तैयारी की शानदार शुरुआत की। मंधाना ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ''यह भारतीय टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश कर रही है। हम अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम या अतीत में जो कुछ भी हुआ उसके बारे में नहीं सोचते हैं। हमने इसे हराया, हमने उसे हराया। मुझे लगता है कि अब यह सब उतना महत्वपूर्ण नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हम एक ऐसे बदलाव के दौर में हैं जहां हम विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। हम किसे हराते हैं, कहां हराते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम बस उन्हें लगातार हराने और शीर्ष पर बने रहने में सफल होना चाहते हैं।''

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शृंखला के तीसरे और अंतिम टी20 मैच में मंधाना ने 82 रन की पारी खेली। उन्होंने जेमिमा रोड्रिग्स (59) के साथ 121 रन की साझेदारी की जिससे भारत छह विकेट पर 176 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम नौ विकेट पर 159 रन ही बना पाई। मंधाना ने कहा, ''मुझे एडिलेड शहर बहुत पसंद है। यहां खेलने से पहले भी मुझे यहां शहर पसंद था। यह बहुत शांत और सुंदर शहर है। कुछ ऑस्ट्रेलियाई बहुत खुश होंगे जब मैं कहूंगी कि यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे अच्छा शहर है। वास्तव में मुझे यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे अच्छा शहर लगता है।'' महिला टी20 विश्व कप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। मंधाना ने कहा, ''यह साल टी20 का साल है। पिछला साल एकदिवसीय क्रिकेट का साल था जिसमें हमने बहुत सारे वनडे मैच खेले।

सुविचार

एक सपना टूटने के बाद दूसरा सपना देखने की हिम्मत करना ही जिंदगी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जन्म दर और पारिवारिक चुनौतियां

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने यह कहकर युवाओं को कर्तव्य का बोध कराया है कि 'विवाह का उद्देश्य सृष्टि आगे चले, यह होना चाहिए, वासना की पूर्ति नहीं। इसी भावना से कर्तव्य बोध आता है।' उन्होंने हिंदू समाज को संगठित और सशक्त बनाने की जरूरत पर जोर देते हुए औसतन तीन संतानों के संबंध में जो टिप्पणी की, उससे बहुत लोग सहमत या असहमत हो सकते हैं। यह उनका अधिकार है, लेकिन इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि आज कई दंपति एक से ज्यादा संतान नहीं चाहते, कुछ तो एक भी नहीं चाहते। भविष्य में इससे कई सामाजिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं। डॉ. भागवत पहले भी यह मुद्दा उठा चुके हैं। उनके अलावा कई पत्रकार, विश्लेषक और सामाजिक कार्यकर्ता समय-समय पर इस ओर समाज का ध्यान आकर्षित करते रहे हैं। सवाल है- क्या इन सुझावों का धरातल पर कोई असर दिखाई दे रहा है? जवाब है- नहीं। जब नवविवाहित दंपतियों के पास दुनियाभर की सूचनाएं पहुंच रही हैं तो क्या वे नहीं जानते कि एक संतान या शून्य संतान के कारण समाज का भविष्य कैसा होगा? वास्तव में समस्या 'जानकारी का न होना' नहीं है, बल्कि 'अनुकूल परिस्थितियों का न होना' है। आज हर दंपति चाहता है कि उसकी संतान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करे और उसे रोजगार के लिए परेशान न होना पड़े। देश में ऐसे कितने स्कूल हैं, जहां सामान्य आर्थिक स्थिति वाले दंपति अपने बच्चों को पढ़ा सकते हैं? सरकारें इस बात को लेकर अपनी पीठ थपथपाती हैं कि उन्होंने शिक्षा का बजट बढ़ा दिया, भर्तियां कर दीं, कर्मचारियों का वेतन बढ़ा दिया ...। बड़ा सवाल है- शिक्षा की गुणवत्ता का क्या हुआ? अगर आपने सरकारी स्कूलों को इतना सुधार दिया तो कितने मंत्री, सांसद, विधायक और सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने बच्चों को वहां पढ़ने के लिए भेजते हैं?

दंपतियों के एक संतान या शून्य संतान रखने की सबसे बड़ी वजह यही है। वे प्राइवेट स्कूलों की महंगी फीस दे नहीं सकते, सरकारी स्कूलों में पढ़ाना नहीं चाहते। किसी तरह बच्चे पढ़ाई पूरी कर लेते हैं तो समस्या आती है- अब कमाई कैसे करें? कॉलेज की डिग्री वाले बेरोजगारों की पहले से ही भीड़ है। उसमें हर साल नए बेरोजगार और जुड़ जाते हैं। ज्यादातर युवा ऐसी सरकारी नौकरी चाहते हैं, जिसमें काम कम से कम और कमाई ज्यादा से ज्यादा हो। उन्हें स्कूल और कॉलेज में ऐसा हुनर सिखाया नहीं जाता, जिसके दम पर कोई काम कर सकें। 'नौकरी नहीं लगी बेटा? अब क्या करोगे बेटा? भविष्य के लिए कुछ सोचा भी है?' - ये सवाल हर बेरोजगार को शूल की तरह चुभते हैं। जो दंपति ऐसी परिस्थितियों का सामना कर चुके हैं, वे कभी नहीं चाहेंगे कि उनके बच्चों को इतना संघर्ष झेलना पड़े। इसलिए वे या तो एक ही संतान रखते हैं या उसे भी दुनिया में नहीं लाना चाहते हैं। पिछले दो दशकों में घर बनाना और चलाना बहुत महंगा हो गया है। सरकारी आंकड़े कुछ भी कहें, मध्यम आय वाले परिवार के लिए चीजें आसान नहीं हैं। जयपुर जैसे शहर में एक छोटा-सा भूखंड खरीदकर उस पर घर बनाने का मतलब है- ज़िंदगीभर की कमाई लगाना। उसके बाद बच्चों की पढ़ाई, शादी और अन्य पारिवारिक खर्चों के लिए क्या बचेगा? सामान्य वर्ग के लिए तो और ज्यादा मुश्किलें हैं। उसके बच्चे कड़ी मेहनत करते हैं, ज्यादा शुल्क चुकाते हैं, लेकिन आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था उनके साथ न्याय नहीं करती। कुछ दंपति कर्ज लेकर अपने बच्चों को विदेश भेजते हैं। इससे प्रतिभा पलायन को बढ़ावा मिलता है। विदेश में पढ़ाई और रोजगार के बेहतर मौके मिलने से सामान्य वर्ग के कई प्रतिभाशाली युवा वहीं रहने को प्राथमिकता देते हैं। देश में जनसंख्या संतुलन बना रहे, भविष्य में सद्भाव कायम रहे, इसके लिए धरातल पर परिस्थितियों को आसान बनाएं। आज का दंपति ज्यादा शिक्षित और जागरूक है। वह अपने बच्चों को तकलीफें नहीं, बेहतर भविष्य देना चाहता है।

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस-सपा की जब दिल्ली में सरकार थी, तब ये (इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम) सब संभव ही नहीं था। क्योंकि तब इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट्स घोटालों में ही गुम हो जाते थे। मेट्रो जैसे और उससे जुड़ी अधिकतर टेक्नोलॉजी भी हमें विदेश से आयात करनी पड़ती थी।

-नरेन्द्र मोदी

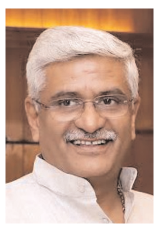

आज 'मन की बात' में प्रधानमंत्री जी ने बताया कि किस प्रकार 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में विश्व के शीर्ष नेतृत्व ने एआई की सहायता से हमारी प्राचीन पांडुलिपियों के संग्रहण, संरक्षण और उनके प्रभाव को देखकर आश्चर्य व्यक्त किया।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

नर सेवा, नारायण सेवा! कार्यक्रम उपरांत अंबाबाड़ी क्षेत्र से निकलते समय बाबा खाटू श्याम जी के भंडारे में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच उपस्थित होकर उन्हें फल वितरित करने का अवसर मिला।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

संवेदना का मेहनताना

मुम्बई आकर हिंदी फिल्मों में गीत लिखने से पहले साहिर लुधियानवी लाहौर में रहते थे और वहां से उर्दू की मासिक पत्रिका 'साकी' निकालते थे। सीमित साधन होने के बावजूद वे प्रकाशित रचनाओं पर लेखकों को यथासंभव मेहनताना भी देते थे। हाथ तंग होने के कारण एक दफा जब वे मेहनताना समय पर न दे पाए तो 'शमा' लाहौरी नामक एक शायर उनके घर अपनी प्रकाशित ग़ज़लों का मेहनताना लेने आ पहुंचा, क्योंकि उसे पैसों की सख्त जरूरत थी। कड़क सर्दी वाले दिन बिना स्वेटर में आया वह शायर, ठंड से बुरी तरह कांप रहा था। उसकी यह हालत देख तंगहाल साहिर ने पहले तो उसे चाय पिलाई, फिर हैंगर पर टंगा अपना नया कोट उसे पहनाते हुए बोले, 'आपके मेहनताने का मनीऑर्डर हम इसलिए नहीं भेज पाए क्योंकि इस महीने से हमने शायरों को 'कैश' के बदले 'काइंडनेस' देने का फैसला किया है।' बेचारा शायर साहिर का मुंह देखता रह गया।

सामयिक

क्या बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखना समाधान है?

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

संतुलन बनाना ही कुंजी है। सख्त बैन से बेहतर है उम्र-आधारित टियर सिस्टमः 13 साल तक पूर्ण प्रतिबंध, 13-15 तक पैरेंटल कंट्रोल के साथ सीमित एक्सेस, और 15-18 तक सशर्त स्वतंत्रता। एनजीओ, एजुकेटर्स और टेक कंपनियों को शामिल कर पायलट प्रोजेक्ट चलाए जा सकते हैं। अभिभावकों के लिए ऐप्स विकसित करें, जो उपयोग ट्रैक करें। शिक्षा मंत्रालय यूट्यूब एजुकेशनल चैनल्स को बढ़ावा दे।

आज की दुनिया में तकनीक ने जीवन को जितना सरल बनाया है, उतना ही जटिल भी। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने संवाद, शिक्षा और अभिव्यक्ति के नए रास्ते खोले हैं, लेकिन इनके साथ ऐसे जोखिम भी जुड़े हैं जो विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। इसी संदर्भ में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा भारत को उस पहल में शामिल होने का प्रस्ताव, जिसमें 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है, वैश्विक विमर्श को एक नई दिशा देता है। यह प्रस्ताव केवल तकनीकी या कानूनी बहस नहीं है, बल्कि समाज, शिक्षा, अभिभावकीय जिम्मेदारी और बच्चों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। भारत जैसे युवा-प्रधान देश में यह विषय और अधिक संवेदनशील हो जाता है, क्योंकि यहां डिजिटल अवसरों और सामाजिक असमानताओं का संतुलन एक साथ मौजूद है।

आज की डिजिटल दुनिया में सोशल मीडिया बच्चों के लिए अवसरों और खतरों का मिश्रण बन चुका है। इंस्टाग्राम, टिकटॉक, एक्स (पूर्व ट्विटर) और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट की बाढ़ है, जिसमें हिंसा, यौन शोषण, फेक न्यूज और साइबर बुलिंग का बोलबाला है। यूनिसेफ की रिपोर्ट्स बताती हैं कि भारत में 10-19 साल के 40 प्रतिशत से अधिक युवा ऑनलाइन उत्पीड़न के शिकार होते हैं, जो डिप्रेशन, एंग्जाइटी और यहां तक कि आत्महत्या तक ले जाता है। 15 साल से कम उम्र के बच्चों का मस्तिष्क अभी विकास के दौर में होता है, और प्लेटफॉर्म्स के एडिक्टिव एल्गोरिदम उन्हें घंटों स्क्रीन से बांधे रखते हैं। इससे न केवल पढ़ाई प्रभावित होती है, बल्कि शारीरिक गतिविधियां और सामाजिक कौशल भी पीछे छूट जाते हैं। फ्रांस जैसे देशों में यह प्रतिबंध बच्चों को इन जोखिमों से बचाएगा, अभिभावकों को मानसिक राहत देगा और शिक्षा पर फोकस बढ़ाएगा। मैक्रों का तर्क स्पष्ट है बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता देकर हम भविष्य की पीढ़ी को मजबूत बना सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही 16 साल से कम उम्र पर सख्त बैन लगा दिया है, और नॉर्वे, स्पेन जैसे देश इसी राह पर हैं। भारत में भी केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया कंपनियों से उम्र-आधारित एक्सेस कंट्रोल पर बातचीत की पुष्टि की है।

फिर भी, भारत जैसे विविध और विकासशील देश के संदर्भ में इस प्रतिबंध के सकारात्मक पक्षों के साथ नकारात्मक प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सबसे बड़ा मुद्दा है डिजिटल डिवाइड। शहरी क्षेत्रों में इंटरनेट प्रचुर है, लेकिन ग्रामीण भारत में पहुंच सीमित होने के बावजूद सोशल मीडिया ही शिक्षा और संचार का प्रमुख माध्यम बन चुका है।

यूट्यूब पर लाखों कोचिंग ट्यूटोरियल्स उपलब्ध हैं, जिनसे सुदूर देहाती बच्चे घर बैठे पढ़ाई कर रहे हैं। खान अकादमी, बायजूज जैसे प्लेटफॉर्म्स ने लाखों छात्रों को सशक्त किया है। प्रतिबंध लगाने से ये अवसर छिन जाएंगे, खासकर जहां पारंपरिक शिक्षा संसाधन अभावग्रस्त हैं। घर में बुराइयों से बचाव के लिए दरवाजा बंद करना ठीक नहीं, क्योंकि अच्छाई के रास्ते भी अवरुद्ध हो जाएंगे। इतिहास गवाह है प्राचीन भारत में समुद्र पार करने पर धर्म भ्रष्ट होने का नियम बना, जिससे बाहरी विचारों और प्रगति से वंचित रह गए। आजादी के बाद हमने वैश्विक संपर्क को अपनाया, जिससे विज्ञान, तकनीक और संस्कृति का आदान-प्रदान हुआ। सोशल मीडिया पर पूर्ण बैन इसी तरह का अलगाव पैदा कर सकता है।

लागूकरण की व्यावहारिक चुनौतियां भी कम नहीं हैं। उम्र सत्यापन कैसे होगा? आधार या अन्य डिजिटल आईडी से लिंक करने पर गोपनीयता का जोखिम बढ़ेगा, जो डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) एक्ट 2023 के प्रावधानों का उल्लंघन हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले 13 साल से कम उम्र के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध की पीआईएल खारिज कर दी थी, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19) का हवाला देकर। माद्रास हाईकोर्ट ने भले ही ऑस्ट्रेलिया मॉडल की सिफारिश की हो, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर सहमति बनाना कठिन है। बैन से बच्चे वीपीएन या अंडरग्राउंड ऐप्स का सहारा लेंगे, जो और असुरक्षित साबित होंगे डार्क वेब कंटेंट तक पहुंच आसान हो जाएगी। आंध्र प्रदेश जैसे राज्य स्तर पर प्रयास हो रहे हैं, जहां 16 साल से कम उम्र पर बैन का प्रस्ताव है, लेकिन केंद्र में संसाधनों की कमी एक बड़ी बाधा है। सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश) नियम 2021 के तहत प्लेटफॉर्म्स पहले ही अवैध कंटेंट 36 घंटे (अब 3 घंटे) में हटाने को बाध्य हैं, लेकिन उम्र-विशिष्ट बैन के लिए अतिरिक्त इंफ्रास्ट्रक्चर चाहिए जो महंगा और जटिल होगा।

भारत की सामाजिक संरचना भी इस प्रतिबंध को जटिल बनाती है। यहां परिवार-केंद्रित समाज है, जहां माता-पिता खुद बच्चों पर नजर रखते हैं। पश्चिमी देशों में न्यूक्लियर फैमिलीज में अभिभावक व्यस्त रहते हैं, इसलिए सरकारी हस्तक्षेप जरूरी लगता है। लेकिन भारत में संयुक्त परिवार प्रथा अभी प्रासंगिक है, और सांस्कृतिक मूल्य बच्चों को नैतिक सीमाओं में बांधते हैं। पूर्ण बैन की बजाय रेगुलेटेड एक्सेस ज्यादा व्यावहारिक है। उदाहरणस्वरूप, डीपीडीपी एक्ट में बच्चों के लिए पैरेंटल कंसेंट अनिवार्य करने का प्रावधान है। प्लेटफॉर्म्स को उम्र-अनुरूप कंटेंट फिल्टरिंग, एआई-आधारित मॉनिटरिंग और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम चलाने चाहिए। सरकार ने डीपफेक पर सख्ती बढ़ाई है 2 घंटे में अश्लील कंटेंट हटाना जरूरी है, जो आईटी एक्ट की धारा 67बी के तहत बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। स्कूलों में डिजिटल एजुकेशन को बढ़ावा देकर बच्चे खुद खतरों से अवगत हो सकते हैं।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह ट्रेंड अपरिहार्य लगता है। फ्रांस 15 साल, ऑस्ट्रेलिया 16 साल की सीमा पर है, जबकि अमेरिका में प्लेटफॉर्म्स स्वयं 13 साल की न्यूनतम उम्र रखते हैं। लेकिन भारत की 140 करोड़ आबादी में 35 करोड़ से अधिक 15 साल से कम उम्र के बच्चे हैं-इसे एकसमान लागू करना अकल्पनीय है। संसाधन-कमी वाले विकासशील देश में मुकदमों की बाढ़ आ जाएगी, क्योंकि अभिभावक चुनिंदा एक्सेस की मांग करेंगे। भारतीय न्याय संहिता 2023 ऑनलाइन अश्लीलता और घृणा भाषण पर दंडित करती है, लेकिन रोकथाम के लिए नीतिगत स्मार्टनेस चाहिए। मैक्रों का न्यौता विचारणीय है, लेकिन भारत को अपना मॉडल गढ़ना होगा जैसे चाइना का फायरवॉल या यूरोप का जीडीपीआर।

संतुलन बनाना ही कुंजी है। सख्त बैन से बेहतर है उम्र-आधारित टियर सिस्टम: 13 साल तक पूर्ण प्रतिबंध, 13-15 तक पैरेंटल कंट्रोल के साथ सीमित एक्सेस, और 15-18 तक सशर्त स्वतंत्रता। एनजीओ, एजुकेटर्स और टेक कंपनियों को शामिल कर पायलट प्रोजेक्ट चलाए जा सकते हैं। अभिभावकों के लिए ऐप्स विकसित करें, जो उपयोग ट्रैक करें। शिक्षा मंत्रालय यूट्यूब एजुकेशनल चैनल्स को बढ़ावा दे। अंततः, यह पहल सफल होगी यदि हम प्रतिबंध को अवसर में बदल दें बच्चों को डिजिटल दुनिया की साक्षर नागरिक बनाएं, न कि उसे बंद करके। भारत की युवा शक्ति हमारा सबसे बड़ा संपदा है; इसे सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। मैक्रों का प्रस्ताव एक अवसर है, लेकिन इसका स्वरूप भारतीय आवश्यकताओं के अनुरूप होना चाहिए।

नजरिया

फाल्गुन का होलाष्टक

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

हिमाचल प्रदेश है तो छोटा, लेकिन यहाँ धर्म-कर्म और उत्सव मनाने की परम्परा बहुत ही सुदीर्घ है। यहाँ होलाष्टक के पहले दिन प्रत्येक गाँव में होलिका दहन वाले स्थान पर छड़ी स्थापना' की जाती है। इसके बाद भगवान रघुनाथ के समक्ष गुलाल अर्पित किया जाता है। यहाँ वैरागी समुदाय के लोग हैं, जो पारंपरिक होली गीत गाते हैं। यह समुदाय होलाष्टक के दिनों में भगवान रघुनाथ की भक्ति और पूजा में लीन रहते हैं। लाहौल में हालडा' उत्सव भी इसी बीच मनाया जाता है, इस अवसर पर अलाव जलाया जाता है और पारंपरिक गीत गाये जाते हैं।

फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी से पूर्णिमा के बीच के आठ दिन 'होलाष्टक' कहे जाते हैं। पूर्णिमा की रात होलिका दहन के साथ यह समाप्त हो जाते हैं। इस वर्ष 24 फरवरी को होलाष्टक आरम्भ होंगे और 3 मार्च को इनका अवसान हो जाएगा। यह आठ दिन हिन्दू धर्म में विशेष महत्व रखते हैं। कहा जाता है, फाल्गुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी को कामदेव ने भगवान शिव की साधना में विघ्न डालने का प्रयास किया था, तब शिवजी ने क्रोध में आकर अपना तीसरा नेत्र खोल दिया था और कामदेव भस्म हो गए थे। बाद में रति की अनुनय-विनय पर शिवजी ने शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को उनके पति कामदेव को पुनर्जीवन प्रदान किया था।

शास्त्रों के अनुसार, भगवान शिव के आठ दिन के क्रोधावस्था के बीच संसार में नकारात्मक शक्तियों का विस्फोट हुआ था। इसबीच आठ ग्रह चंद्रमा, सूर्य, शनि, शुक्र, बृहस्पति, बुध और राहु बहुत उग्र हो गए थे। इन तिथियों में ग्रहों की अशांत स्थिति आज भी यथावत रहती है, इसलिए इस कालखंड में सगाई, उपनयन, विवाह, गृह प्रवेश, नामकरण, मुंडन, अन्नप्राशन जैसे मांगलिक कार्य वर्जित हैं। होलाष्टक के मध्य बहु-बेटी की बिदाई भी नहीं की जाती है। यह समय शुभ नहीं होता, इसलिए नए व्यवसाय के आरम्भ, मकान, वाहन और भूमि की खरीदारी से भी बचना चाहिए। होलाष्टक के साथ एक और भी मान्यता जुड़ी मिलती है। बिष्णु पुराण से प्राप्त संदर्भ के अनुसार, फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से पूर्णिमा के बीच हिरण्यकश्यप ने बिष्णु भक्त प्रह्लाद की बड़ी प्रताड़ना की थी। अंत में होलिका दहन' के बीच उसकी रक्षा हो गई थी। यह प्रताड़ना वाली अवधि से सम्बन्धित होने के कारण यह कालखंड अशांत और उग्र माना जाता है।

मगर आत्म संयम और ईश्वर आराधना के लिए होलाष्टक बहुत उपयुक्त उपयुक्त होता है। आज भी धर्मनिष्ठ हिन्दू परिवारों में इन दिनों सादा भोजन करने की मान्यता है, अक्सर परिवारों में लहसुन,प्याज और गरम मसालों का उपयोग नहीं होता। लोग शिव मंदिरों में जाते हैं। इस अवसर पर महामृत्युंजय जाप को अत्यंत फलदायी बताया गया है। लोग हनुमान जी की प्रतिमा के समक्ष हनुमान चालीसा का पाठ भी करते हैं। पंजाब में सतलुज, रावी और व्यास के तटवर्ती क्षेत्र होलाष्टक के दोष की विशेष मान्यता है। यहाँ के हिन्दू परिवारों में ॐ नमो भगवाते वासुदेवाय' का जाप करने की परंपरा है। पूजा-पाठ के साथ ही दान-पुण्य भी खुले हाथों करते हैं। उत्तर प्रदेश में होलाष्टक के पहले दिन लोग होलिका-दहन' वाले स्थान को साफ करके, गंगाजल से शुद्ध करते हैं और होलिका के प्रतीक के रूप में अरंडी का एक पौधा स्थापित करते हैं। यहाँ कुछ उपले और लकड़ियाँ भी रख दी जाती हैं। धीरे-धीरे आठ दिनों के बीच यहाँ खराब लकड़ी, घरों से मांगकर लाए गए उपलों और खर-पतवार का ढेर लग जाता है। पूर्णिमा की रात में निश्चित मुहूर्त पर इसका दहन करके अगले दिन लोग होली मानते हैं। यहाँ होलाष्टक से फाग गायन का आरम्भ होता है। बिहार और मध्य प्रदेश में भी यह परम्परा है।

काशी में भगवान शिव की नगरी है, यहां होलाष्टक में विश्वनाथ मन्दिर' में विशेष पूजा की तैयारियां आरम्भ हो जाती हैं। काशी में रंगभरी एकादशी से होली की शुरुआत होती है। यहाँ मणिकर्णिका घाट पर रंगभरी एकादशी के अगले दिन मसान होली' की अनूठी परम्परा है। भक्तगण चिता की भस्म, धतूरा और बेलपत्र से होली खेलते हैं। यह होली भगवान शिव के अघोर स्वरूप का प्रतिनिधित्व करती है। खजुराहो के मंदिरों में भी इन दिनों पूजा-अर्चना का भव्य और चमत्कारी आयोजन होता है। उज्जैन के महाकालेश्वर मन्दिर के आँगन में होलाष्टक के पहले दिन होलिका की छड़ी' स्थापना के साथ होलिकोत्सव आरम्भ हो जाता है। मंदिर के पुजारी लोग बाबा महाकाल को वनस्पतियों से तैयार किया गया गुलाल समर्पित करते हैं। इधर के लोग होलाष्टक के दिनों में घर के बाहर रखी या पड़ी किसी अज्ञात वस्तु को छूने से बचते हैं, क्योंकि लोक मान्यता के अनुसार यह नकारात्मक ऊर्जा से सम्बन्धित हो सकती है।

बंगाल में फाल्गुन शुक्लपक्ष की अष्टमी को काठ पूजा' होती है, जो होलिका दहन की तैयारी का आरम्भ होता है। यह भी होलाष्टक के बीच प्याज, लहसुन, मांस- मछली और मदिरा से दूरी की मान्यता का कुछ प्रभाव दिखाता है। महाराष्ट्र में होलिका डांडा' की स्थापना करके चारों तरफ गुलाल और आंटे से रंगोली बनाकर होलिकोत्सव का उद्घाटन करते हैं। राजस्थान के कुछ क्षेत्रों, विशेषकर जोधपुर और आसपास के परिक्षेत्र में खेजड़ी रोपण की परम्परा है। बीकानेर में लोकनाट्य रम्मत' का मंचन शुरू होता है और होलिका दहन तक चलता है। बताया जाता है यह चार सौ साल पुरानी परम्परा है। जैसलमेर में सोनार किले में स्थित लक्ष्मीनाथ जी मंदिर में होलाष्टक के आरम्भ में पहली होली खेली जाती है, जहां राज परिवार के लोग भी होते हैं। यहाँ गेर नर्तक/गायक हालरे' गायन करते हैं। इस क्षेत्र में आलेरो होरे सया' जैसे गीत गए जाते हैं, जिसमें सभी समाजों-कौमों की समृद्धि और वंश वृद्धि की कामना होती है।

हिमाचल प्रदेश है तो छोटा, लेकिन यहाँ धर्म-कर्म और उत्सव मनाने की परम्परा बहुत ही सुदीर्घ है। यहाँ होलाष्टक के पहले दिन प्रत्येक गाँव में होलिका दहन वाले स्थान पर छड़ी स्थापना' की जाती है। इसके बाद भगवान रघुनाथ के समक्ष गुलाल अर्पित किया जाता है। यहाँ वैरागी समुदाय के लोग हैं, जो पारंपरिक होली गीत गाते हैं। यह समुदाय होलाष्टक के दिनों में भगवान रघुनाथ की भक्ति और पूजा में लीन रहते हैं। लाहौल में हालडा' उत्सव भी इसी बीच मनाया जाता है, इस अवसर पर अलाव जलाया जाता है और पारंपरिक गीत गाये जाते हैं। यह नकारात्मक शक्तियों को दूर करने सकरात्मकता के आह्वान के लिए मनाया जाता है।

होलाष्टक के दिनों में देश के किसी भी हिस्से में भले ही शुभकार्य नहीं किए जाते हैं। किन्तु पूजा-पाठ और सांस्कृतिक आयोजनों की सर्वत्र धूम मच जाती है। मूलतः होलाष्टक की मान्यता का यही मूल उद्देश्य है ।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

सदियों पुरानी मामंगम परंपरा 250 साल बाद फिर से हुई जीवंत : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सदियों पुरानी मामंगम परंपरा का रविवार को उल्लेख करते हुए कहा कि यह लगभग 250 वर्षों के अंतराल के बाद फिर से जीवंत हुई है। मामंगम परंपरा को केरल कुंभ के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि उत्तर से दक्षिण तक नदियां भले अलग-अलग हों, लेकिन आस्था की धारा एक ही है।

रेडियो पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ की अद्भुत तस्वीरें लोगों को अभी भी जरूर याद होंगी। उन्होंने कहा कि संगम के तट पर उमड़ता जनसागर, आस्था का अथाह प्रवाह और स्नान के उस पावन क्षण में, जैसे भारत अपनी सनातन चेतना से साक्षात्कार कर रहा था। उन्होंने कहा, महाकुंभ की वही धारा, वही माघ का महीना, वही श्रद्धा का स्वर, जब उत्तर से दक्षिण की ओर बढ़ता है, तो एक नई पहचान ले लेता है। केरल की धरती पर, भारतप्पुझा नदी के किनारे तिरुनावाया में सदियों पुरानी एक परंपरा रही है मामंगम।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसे कई लोग महा माघ उत्सव या केरल कुंभ भी कहते हैं। उन्होंने कहा कि माघ के महीने में पवित्र नदी में स्नान और उस क्षण को जीवन का अमिट स्मरण बना लेना, यही इसकी आत्मा है। उन्होंने कहा कि समय के साथ यह परंपरा जैसे ओझल हो गई थी। मोदी ने कहा कि करीब ढाई-सौ वर्षों तक यह आयोजन उसी भव्यता में नहीं हुआ था जैसे पहले हुआ करता था।

प्रधानमंत्री ने कहा, लेकिन आज अपनी विरासत को फिर से पहचान रहे हमारे देश में इतिहास ने फिर करवट ली है। इस बार बिना किसी बड़ी घोषणा के केरल कुंभ का सफल आयोजन हुआ। लोगों ने इसके बारे में एक-दूसरे को बताया, कानों-कान बात पहुंचती गई और देखते ही देखते श्रद्धालु तिरुनावाया पहुंचने लगे। उन्होंने कहा, महाकुंभ हो या केरल कुंभ, यह केवल स्नान का पर्व नहीं है। यह स्मृति का जागरण है। यह संस्कृति का पुनर्स्मरण है। उत्तर से दक्षिण तक, नदियां भले अलग हों, किनारे भले अलग हों, पर आस्था की धारा एक ही है- यही भारत है।

मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयों में होगी मंदिर प्रबंधन की पढ़ाई : मोहन यादव

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को घोषणा की कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के लिए राज्य के विश्वविद्यालयों में मंदिर प्रबंधन को विषय के तौर पर पढ़ाया जाएगा।

यादव ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा,हम मंदिर प्रबंधन को एक विषय के तौर पर विश्वविद्यालयों की पढ़ाई से जोड़ रहे हैं। हमने मंदिर प्रबंधन विषय पर अकादमिक पाठ्यक्रम संचालित करने का निर्णय किया है। उन्होंने बताया कि इन पाठ्यक्रमों में धार्मिक पर्यटन के साथ ही मंदिरों की वित्तीय व प्रशासनिक व्यवस्था, सुरक्षा आदि की पढ़ाई कराई जाएगी।

यादव ने बताया कि इस सिलसिले में उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय ने पहल करते हुए मंदिर प्रबंधन विषय पर डिप्लोमा और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पेश किए हैं जिनके जरिये विद्यार्थियों को विद्वानों के जरिये सैद्धांतिक और व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा,मंदिर हमेशा से हमारे लिए आस्था, श्रद्धा और विश्वास के केंद्र रहे हैं। हम कोशिश कर रहे हैं कि मंदिरों के उचित प्रबंधन के जरिये किस तरह अर्थव्यवस्था को गति दी जा सकती है। यादव ने कहा कि उज्जैन के 'श्री महाकाल महालोक' की तर्ज पर राज्य के 13 तीर्थस्थलों पर धार्मिक गलियारे बनाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने 'श्री महाकाल महालोक' परिसर से फाइबर की मूर्तियां हटाकर वहां पत्थरों और धातुओं की प्रतिमाएं लगाने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री ने बताया,देश की प्राचीन स्थापत्य कला पर आधारित ये प्रतिमाएं उज्जैन में ही गढ़ी जा रही हैं।

सीबीएफसी ने 'द केरल स्टोरी-2' को दी मंजूरी

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' का ट्रेलर जारी होने के बाद से ही यह विवादों में घिर गई है। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने फिल्म पर 'झूठा प्रचार' करने का आरोप लगाया है। राजनीतिक बयानबाजी के बीच अब केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने फिल्म को 'अंडर ए' प्रमाणपत्र के साथ मंजूरी दे दी है। इस प्रमाणपत्र के तहत 14 वर्ष से अधिक आयु के दर्शक फिल्म देख सकेंगे। फिल्म के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह ने बोर्ड के फैसले पर संतोष जताते हुए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय फिल्म की मंशा और ईमानदारी पर विश्वास को दर्शाता है। शाह के मुताबिक, इस मंजूरी से देशभर की युवा लड़कियों और परिवारों तक फिल्म का संदेश पहुंचाने में मदद मिलेगी। 27 फरवरी को रिलीज होने जा रही इस फिल्म का उद्देश्य जन-जागरूकता फैलाना बताया जा रहा है।

शाह ने कहा कि फिल्म का मकसद युवाओं को सतर्क रहने और सोच-समझकर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना है। ऐश्वर्या ओझा, अदिति भाटिया और उल्का गुप्ता अभिनीत यह फिल्म जबरन धर्म परिवर्तन, धोखे और फरेब जैसे विषयों पर आधारित है।

नयनतारा रॉय का पहला उपन्यास 'द मैग्निफिसेंट रुइन्स' भारत में जारी किया गया

नई दिल्ली/भाषा। लेखिका नयनतारा रॉय ने अपने पहले उपन्यास द मैग्निफिसेंट रुइन्स में परिवार, पहचान और प्रवासियों के जीवन से जुड़े अनुभव को गहराई से प्रस्तुत किया है। यह उपन्यास भारत में रविवार को जारी किया गया। इस पुस्तक को 'हैशेट इंडिया' द्वारा प्रकाशित किया गया है। इसकी कहानी कई पीढ़ियों तक फैली हुई एक विस्तृत गाथा है, जिसकी पृष्ठभूमि ब्रुकलिन और कोलकाता के बीच घूमती है। न्यूयॉर्क में बड़ी मेहनत से संवारा गया उसका जीवन, भारत में रह रही उसकी माँ के एक फोन कॉल से पूरी तरह बदल जाता है। पेशेवर सफलता की दहलीज पर खड़ी लीला को पता चलता है कि उसे कोलकाता में अपने परिवार की विशाल, जीर्ण-शीर्ण संपत्ति विरासत में मिली है - वही पारिवारिक विरासत जिसे उसने 16 वर्ष पहले दृढ़ता से छोड़ दिया था। मूल रूप से भारत की रहने वाली और अब लॉस एंजिल्स में बसी रॉय ने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह पुस्तक न केवल पाठकों को प्रेरित करेगी, बल्कि एक विशिष्ट बंगाली संस्कृति के संदर्भ में पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाले मानसिक आघात की सच्चाई को सामने लाएगी।

महाभारत के श्रीकृष्ण को देखकर भावुक हुई बुजुर्ग महिला

मुंबई/एजेन्सी

दूरदर्शन की 'महाभारत' में श्रीकृष्ण का रोल निभाने वाले अभिनेता नीतीश भारद्वाज को कौन नहीं जानता है। श्रीकृष्ण के किरदार ने उन्हें घर-घर फेमस कर दिया और परिणाम यह रहा है कि दर्शक अभिनेता को भगवान श्रीकृष्ण का अवतार मानने लगे। अभिनेता द्वारा निभाया गया श्रीकृष्ण का किरदार आज भी लोगों के मन और मस्तिष्क में जिंदा है। यही कारण है कि नीतीश भारद्वाज को देखने के बाद एक बुजुर्ग महिला ने उन्हें भगवान का अवतार बताया और ढेर सारा प्यार भी लुटाया। अभिनेता भले ही टीवी पर सक्रिय नहीं हैं, लेकिन अपने स्टेज शो 'चक्रव्यूह' से थिएटर में छाए हुए हैं। शो 'चक्रव्यूह' में आज भी श्री कृष्ण बनकर नीतीश गीता के उपदेश देते हैं। थिएटर में अभिनेता का शो देखने पहुंचा एक परिवार उन्हें देखकर बेहद भावुक नजर आया है। बुजुर्ग महिला ने अभिनेता को साक्षात श्री कृष्ण का अवतार बताया।अभिनेता ने फैन-मीट का प्यारा सा वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है जिसमें व्हील चेयर पर बैठी महिला कह रही हैं कि हमने महाभारत को पढ़ा है, लेकिन आपने उसे साक्षात कर दिया, ऐसा लगता है कि स्वयं प्रभु उपदेश दे रहे हैं।बुजुर्ग महिला ने नीतीश भारद्वाज की एक्टिंग की भी तारीफ की। अभिनेता भी इतने प्यारे परिवार से मिलकर फूले नहीं समा रहे हैं। हालांकि अभिनेता का मानना है कि वे सिर्फ भगवान का एक छोटा सा जरिया हैं, जो उनके संदेशों को लोगों तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने वीडियो पोस्ट कर लिखा, मुंबई में चक्रव्यूह के बाद के ऐसे पल मेरे मन में हमेशा बसे रहते हैं। वरिष्ठ नागरिकों को प्रणाम करते हुए मुझे अपने माता-पिता की याद आ जाती है।

मैं उनसे जीवन का सबसे अनमोल उपहार, शुद्ध प्रेम और आशीर्वाद, को विनम्रता से ग्रहण करता हूं। मेरे भीतर जो भी प्रेरणा और शक्ति है, वह कृष्ण से ही आती है। मैं भाग्यशाली हूं कि उन्होंने मुझे अपना माध्यम चुना। 1988 में बीआर चोपड़ा की महाभारत सबसे ज्यादा पॉपुलर होने वाला धार्मिक शो था। इसकी प्रसिद्धि सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों तक में रही थी। 9 करोड़ के बजट में बनी महाभारत को देखने का क्रेज इतना ज्यादा था कि एपिसोड प्रसारित होने के समय सड़कें सुनसान हो जाती थीं और गांव में लोग सारा काम छोड़ 1 घंटे सिर्फ महाभारत का आनंद लेते थे।

बॉबी देओल की फिल्म 'बंदर' का पोस्टर आया सामने

मुंबई/एजेन्सी

पिछले कुछ वर्षों में बॉबी देओल ने अपने करियर में जबरदस्त बदलाव देखा है और लगातार अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। 'हरी हारा वीरा मल्लू' और 'कंगुआ' जैसी साउथ फिल्मों में खलनायक के दमदार किरदार निभाने के बाद अब उनकी हिंदी फिल्म 'बंदर' को लेकर भी नई अपडेट सामने आई है।

अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी इस फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें बॉबी देओल का इंटेंस अंदाज देखने को मिल रहा है। पोस्टर में लाल और हरे रंग के कॉन्ट्रास्ट के बीच वह धूप का चश्मा पहने सलाखों के पीछे खड़े नजर आते हैं और उनकी तीखी नजरें दर्शकों को आकर्षित करती हैं। फिल्म का निर्माण निखिल द्विवेदी ने किया है, जबकि इसे जी स्टूडियोज का समर्थन प्राप्त है।

इसकी कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है, जो इससे पहले 'पाताल लोक', 'उड़ता पंजाब' और 'कोहरा' जैसी चर्चित परियोजनाओं से जुड़े रहे हैं। फिल्म 'बंदर' की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। यह फिल्म 22 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके कलाकारों में सान्या मल्होत्रा, इंद्रजीत सुकुमारन, राज बी शेट्टी, जितेंद्र जोशी, नागेश भोसले, सपना पब्बी और रिद्धि सेन जैसे कलाकार शामिल हैं। गौरतलब है कि 'बंदर' का प्रीमियर 2025 में आयोजित 50वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में विशेष प्रस्तुति श्रेणी के तहत किया जा चुका है, जहां इसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी।

मुंबई में रविवार को एक्टर गुरमीत चौधरी अपनी पत्नी देबिना बनर्जी के साथ रविवार को मुंबई में पैपराज़ी के साथ अपने जन्मदिन के जश्न के दौरान।

एआई सिनेमा को आकार दे सकता है, लेकिन मानवीय भावनाओं को नहीं : ताहा शाह बदुशा

मुंबई/एजेन्सी

चाहे विज़ुअल इफेक्ट्स हों, डबिंग हो या सीजीआई (उत्रख्र) हो, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस फ़िल्ममेकिंग की दुनिया को पूरी तरह बदल रहा है। विशेष रूप से अभिनेताओं पर इसके प्रभाव को लेकर चर्चाएँ तेज़ होती जा रही हैं। ऐसे में कुछ लोगों को लगता है कि एआई भविष्य में अभिनय के हर पहलू की नकल कर सकता है, लेकिन 'हीरामंडी' स्टार ताहा शाह बदुशा ऐसा नहीं मानते। उनके अनुसार, तकनीक सिनेमा को बेहतर बना सकती है, लेकिन वह उस भावनात्मक सच्चाई की जगह नहीं ले सकती, जो सिर्फ़ एक इंसान परदे पर ला सकता है। इस संदर्भ में ताहा कहते हैं, जब कोई भावनात्मक सीन होता है, फिर वो चाहे माँ के साथ हो, पत्नी के साथ हो या बच्चे के साथ हो, तो वह भावना हमें खुद महसूस करनी होती है। इस जुड़ाव या भावना को हम चाहकर भी मशीन से पैदा नहीं कर सकते। गौरतलब है कि एआई ने तकनीकी रूप से काफ़ी तरक़्क़ी कर ली है। आज की फ़िल्में पहले से कहीं ज़्यादा शानदार और तकनीकी रूप से परफ़ेक्ट दिखती हैं। इस विषय में ताहा कहते हैं, कभी एडिट में हल्की सी जंप दिख जाती है, कभी लिप-सिंक थोड़ा सा अटपटा लगता है, या कोई इमोशनल बीट पूरी तरह असर नहीं छोड़ पाती। मुझे यक़ीन है कि आने वाले समय में ये तकनीकी कमियाँ भी दूर हो जाएँगी, लेकिन अभिनेता और दर्शक के बीच का भावनात्मक रिश्ता कहीं ज़्यादा गहरा होता है। दर्शकों का जुड़ाव परफ़ेक्शन से नहीं, बल्कि सच्चाई से होता है। लोग किसी इमेज से नहीं, एक इंसान से जुड़ते हैं। वे उसकी कमज़ोरियों से, उसकी ख़ामोशी से, उन ठहरावों से जुड़ते हैं, जो प्रोग्राम नहीं किए गए होते।

रणवीर सिंह को मिली धमकी मामले में आरोपी हेरी बॉक्सर के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी

मुंबई/एजेन्सी

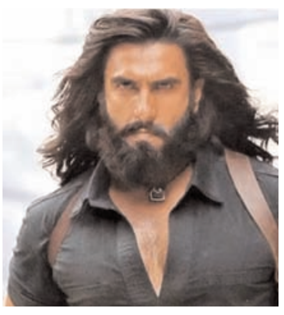

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह के मैनेजर को मिली धमकी के मामले में अब मुंबई क्राइम ब्रांच को बड़े सुराग मिले हैं और उन्होंने बिश्नोई गैंग के सदस्य हरिचंद्र उर्फ हेरी बॉक्सर के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी कर दिया है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने वॉइस नोट की जांच पूरी कर ली है और जांच में पाया गया कि आवाज हेरी बॉक्सर की है। पुष्टि के बाद धमकी देने वाले आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लुक आउट सर्कुलर जारी कर दिया है। मुंबई पुलिस ने अभिनेता के मैनेजर को मिले वॉइस नोट को वेरीफाई करने के लिए पंजाब और हरियाणा पुलिस की मदद ली थी। जांच में पुष्टि हुई है कि आवाज हेरी बॉक्सर की है, जो बिश्नोई गैंग का गुर्गा है। पुष्टि के बाद मुंबई साइबर पुलिस ने रणवीर सिंह के मैनेजर विजय सुब्रमण्यम की शिकायत के आधार पर हेरी बॉक्सर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है और इस मामले की जांच क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन सेल कर रही है।

पुलिस ने जानकारी में ये भी बताया कि मैनेजर को इंटरनेशनल नंबर से फोन कर भी डराने और धमकाने की कोशिश की थी। नंबर की लोकेशन यूएस वर्जिन आइलैंड्स के पास की थी। मैनेजर ने पुलिस को बताया कि इंटरनेशनल कॉल के लिए भी फिरौती की मांग की गई थी और जान से मारने की धमकी मिली थी। पुलिस लगातार इंटरनेशनल नंबर की सही लोकेशन भी पता लगाने की कोशिश कर रही है। इन सभी घटनाओं के बाद अभिनेता के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और उन्हें शूटिंग के दौरान भी खास सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। बता दें कि हेरी बॉक्सर के वॉयस नोट में अभिनेता से 20 करोड़ की फिरौती की मांग की गई और उन्हें व रोहित शेट्टी को जान से मारने की धमकी भी दी गई।

वॉयस रिकॉर्डिंग में कहा गया, रणवीर सिंह, तू कुछ बात बोलकर मुकर गया ना, ठीक है। या तो तू उस बात पर वापस आ जा, नहीं तो मुकरने की सजा क्या होती है वो तुझे हम बताएंगे। इसलिए तेरे लिए ये वॉइस नोट छोड़ रहे हैं। रोहित शेट्टी और तुम लाइन पर आ जाओ और हम पूरे बॉलीवुड को भी ये बोल रहे हैं, नहीं तो वो अंजाम करेंगे जो कभी सोचा नहीं होगा।

यादों में विजय : भारतीय सिनेमा के 'गाइड', जिन्होंने बॉलीवुड को सिखाया 'शहरी स्वैग'

मुंबई/एजेन्सी

साल 1965 में रूपहले पर्दे पर एक ऐसी फिल्म आई, जिसने उस दौर के भारतीय सिनेमा की स्थापित परंपराओं को खुली चुनौती दी। यह फिल्म थी 'गाइड'। 'गाइड' सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, बल्कि एक ऐसा सिनेमाई चमत्कार था जिसने दुनिया को बता दिया कि भारतीय सिनेमा केवल गांव के मेलों और रोते-बिलखते मेलोड्रामा तक सीमित नहीं है। इस अमर फिल्म को बनाने वाले का नाम था- विजय आनंद, जिन्हें फिल्म जगत प्यार से 'गोल्डी' कहता था। उस समय जब नायिकाओं को त्याग और मर्यादा की प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता था, 'गाइड' ने रोज़ी जैसे किरदार को सामने रखा। रोज़ी अपने घुटन भरे वैवाहिक जीवन को अस्वीकार कर अपने प्रेम और अपने जुनून नृत्य को चुनने का साहस करती है। वह सामाजिक बंधनों की परवाह किए बिना अपने सपनों के लिए घर की दहलीज लांघ जाती है। फिल्म का दूसरा प्रमुख पात्र है राजू गाइड, जिसे देव आनंद ने जीवंत किया। बातूनी और चतुर टूरिस्ट गाइड राजू हालात के थपेड़ों के बीच धीरे-धीरे बदलता है। वह पहले एक अवसरवादी बनता है, फिर एक अपराधी और अंत में अनजाने में एक ऐसे आध्यात्मिक संत के तौर पर स्थापित हो जाता है, जो गांव में वर्षा के लिए उपवास करता है।

मानव स्वभाव के लालच, प्रेम, विश्वास और मोक्ष की जटिल पड़ताल करती यह दार्शनिक कथा केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा में विचार और अभिव्यक्ति की नई दिशा का आरंभ थी। यही 'गाइड' विजय आनंद की रचनात्मक दृष्टि और साहसिक

फिल्मनिर्माण की सबसे प्रभावशाली मिसाल बनकर आज भी याद की जाती है। अगर 1950 और 60 के दशक के भारतीय सिनेमा को एक कैनवास मान लिया जाए, तो विजय आनंद वो ब्रश थे, जिसने गांव के मेलों और रोते-बिलखते मेलोड्रामा के बीच पहली बार आधुनिकता, रहस्य और शहरी स्वैग के सबसे चटक रंग उकेरे। उन्होंने 23 साल की उम्र में 'नौ दो ग्यारह' (1957) जैसी फिल्म मात्र 40 से 45 दिनों में बनाकर पूरी इंडस्ट्री को चौंका दिया।

70 के दशक में विजय आनंद का ओशो (आचार्य रजनीश) के आध्यात्मिक प्रभाव में आना और फिर अपनी भांजी (बड़ी बहन की बेटी) सुषमा से शादी करना, यह एक ऐसा कदम था जिसने उस दौर में भारी हंगामा खड़ा कर दिया था। परिवार और समाज के कड़े विरोध के बावजूद, गोल्डी ने परवाह नहीं की। उन्होंने अपनी शर्तों पर प्यार किया और जीवन के अंतिम दिन तक सुषमा के साथ एक बेहद खुशहाल वैवाहिक जीवन बिताया। उस दौर में जहां नायक खेतों में पसीना बहाते दिखते थे, विजय आनंद ने बॉलीवुड को 'ट्वीड जैकेट, हैट और सिगार' वाला एक 'अर्बन हीरो' दिया। उनके बड़े भाई देव आनंद इस शहरी आकर्षण के सबसे बड़े चेहरे बने। गोल्डी को एक फ्रेम की 'ज्योमेट्री' किसी भी अन्य निर्देशक से बेहतर समझ आती थी।

जब आप 'ज्वेल थीफ' (1967) देखते हैं, तो आप भारत के अल्फ्रेड हिचकॉक से मिल रहे होते हैं। कैमरे का लकड़ी के दरवाजों के बीच से झांकना, 'छठी उंगली' वाला वो सस्पेंस से भरा दृश्य जहां देव आनंद मुस्कुराते हुए अपने जूते उतारते हैं, यह दर्शक की नसों के साथ खेलने की गोल्डी की अद्भुत कला थी। विजय आनंद की सबसे बड़ी ताकत यह थी कि वे अपनी फिल्मों की एडिटिंग (संपादन) खुद करते थे। इसलिए वे सेट पर सिर्फ उतना ही शूट करते थे, जितनी की जरूरत होती थी। गानों को कहानी में पिरोने में उनका कोई सानी नहीं था।

'महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य और पुष्टिमार्ग-एक मानवीय दृष्टि' विषय पर हुई चर्चा

वैष्णव कॉलेज में दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव कॉलेज में गत सप्ताह को आयोजित दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया गया। हिंदी विभाग (शिफ्ट-2) के विभागाध्यक्ष एवं संयोजक डॉ मनोज कुमार द्विवेदी ने अतिथियों एवं सभा का स्वागत करते हुए 'महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य और पुष्टिमार्ग-एक मानवीय दृष्टि' विषयक संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन भक्ति, कृपा, सेवा-भाव तथा समकालीन जीवन में पुष्टिमार्ग की प्रासंगिकता पर वैश्विक अकादमिक विमर्श स्थापित करने का प्रयास है। सम्मान सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गोस्वामी मधुसूदनजी महाराज का सम्मान किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा मद्रास की कुलपति प्रोफेसर डॉ. पी. राधिका, क्वांगतोंग विदेशी अध्ययन विश्वविद्यालय चीन के प्रोफेसर डॉ. विवेक मणि त्रिपाठी, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ऋषभदेव शर्मा, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा मद्रास के रजिस्ट्रार प्रोफेसर मंजूनाथ अंबिग का भी सम्मान किया गया। इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि तुलसी अनुसंधान संस्थान के उमेश पाठक, जबलपुर की डॉ रानू राठौर रुही, प्रयागराज की डॉ.विजया सिंह सहित अन्य अतिथियों का भी महाविद्यालय के सचिव , प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष तथा हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुनील पाटिल, डॉ कुमार अभिषेक और डॉ प्रवीण कुमार मिश्र ने सम्मान किया। हिंदी विभाग द्वारा वर्षभर की गतिविधियों को संकलित कर एक विशेष न्यूजलेटर प्रकाशित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य कैप्टन डॉ एस संतोष बाबू ने भारतीय दार्शनिक परंपरा को जीवन-मूल्यों का मार्गदर्शक बताते हुए ऐसे आयोजनों को समाज और शिक्षा के बीच सेतु बताया। महाविद्यालय के सचिव अशोक कुमार मूँदडा ने महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य के सिद्धांतों को अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि कृष्ण-भक्ति से मातृशक्ति, प्रेम, आनंद और ईश्वर-कृपा की अनुभूति प्रबुद्ध होती है तथा महाविद्यालय में विगत वर्षों में आयोजित कृष्ण-भक्ति एवं पुष्टिमार्ग से संबंधित अनेक कार्यक्रमों की विस्तृत चर्चा की। महाविद्यालय के कोषाध्यक्ष अशोक केड़िया ने शुभकामनाएं दी।

मुख्य अतिथि ने पुष्टिमार्ग के सिद्धांतों, ब्रह्म-जीव संबंध तथा वल्लभाचार्य के मानवीय दर्शन पर प्रकाश डालते हुए उनके विचारों को अपनाने का आह्वान किया तथा अष्टछाप कवियों, विशेषतः सूरदास के काव्य में व्यक्त भक्ति-भाव का उल्लेख किया। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर पी.राधिका ने युवा पीढ़ी के लिए संगोष्ठी की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए दक्षिण भारतीय परंपरा में कृष्ण-भक्ति की समृद्ध धारा का उल्लेख किया। प्रोफेसर विवेक मणि त्रिपाठी ने महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य और पुष्टिमार्ग के वैश्विक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए करुणा,अनुग्रह और सेवा-भाव को विश्व-मानवता के साझा मूल्य बताया।

उद्घाटन सत्र का संचालन हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ सुनील पाटिल एवं डॉ सरोज सिंह ने किया। अंत में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार सिंह ने धन्यवाद देते हुए कहा कि यह संगोष्ठी विद्यार्थियों में मूल्यनिष्ठ जीवन-दृष्टि, सेवा-भाव, करुणा और आध्यात्मिक संवेदनशीलता के विकास का प्रेरक माध्यम है। उन्होंने कहा कि महाप्रभु वल्लभाचार्य और पुष्टिमार्ग की मानवीय दृष्टि आज के समय में युवा पीढ़ी को सकारात्मकता, अनुशासन और सांस्कृतिक आत्मबोध से जोड़ने की दिशा प्रदान करती है।

उद्घाटन सत्र के पश्चात प्रथम अकादमिक सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर विवेक मणि त्रिपाठी ने की। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर मंजूनाथ अंबिग एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. सुधा त्रिवेदी ने अपने विचार व्यक्त किए। इस सत्र में लगभग पंद्रह प्रपत्र-वाचकों ने महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य और पुष्टिमार्ग के विविध आयामों पर अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। सत्र का संचालन डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र ने किया तथा धन्यवाद डॉ. हर्षलता बी शाह ने दिया। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर ऋषभ देव शर्मा ने की।

विषय विशेषज्ञ के रूप में उमेश पाठक तथा विषय संवाहक कन्यका परमेश्वरी कॉलेज, चेन्नई की डीन डॉ. पीबी वनिता उपस्थित थे। इस सत्र में लगभग पंद्रह प्राध्यापकों ने प्रपत्र वाचन किया तथा बीस विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। सत्र का संचालन डॉ. कुमार अभिषेक ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ प्रवीण कुमार मिश्र ने दिया।

'धोवन पानी निर्दोष जिन्दगानी' विषय पर स्वाध्याय अनुप्रेक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट पर स्थित स्वाध्याय भवन में रविवार को 'धोवन पानी निर्दोष जिन्दगानी' विषय पर स्वाध्याय अनुप्रेक्षा वीरेन्द्र कांकरिया द्वारा की गई।

स्वाध्यायी ने अंजु संजय सुराणा के चिन्तन जन-जन की बने निशानी,हर घर में हो धोवन पानी के संदर्भ व उल्लेख करते हुए कहा कि आहार की शुद्धता पानी पर निर्भर हैं,निर्दोष आहार की तरह निर्दोष प्रासुक पानी भी शांति पूर्वक संयमी जीवन के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने धोवन पानी की विस्तृत जानकारी देते हुए धोवन बनाने की विधि बताई। धोवन पानी पीने के लाभ व आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि धोवन पानी पीने के नियम रखने वाले को अहिंसा पालन के साथ सुपात्र दान का लाभ भी सुलभता से मिल जाता हैं जो कि कर्मों की निर्जरा कराता हैं। उपस्थित श्रावकों व स्वाध्यायीगण द्वारा धोवन पानी विषय पर की गई जिज्ञासाएं का समाधान किया गया। स्वाध्याय अनुप्रेक्षा कार्यक्रम में जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के पूर्व कार्याध्यक्ष नरेन्द्र कांकरिया, कोषाध्यक्ष अम्बालाल कर्णावट आदि की उपस्थिति थी। अनेक स्वाध्यायियों ने जैन संकल्प, सामूहिक व्रत-प्रत्याख्यान पश्चात मांगलिक के साथ स्वाध्याय अनुप्रेक्षा कार्यक्रम पूर्ण हुआ ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वार्षिकोत्सव

बेंगलूरु के शनिदेव मंदिर टेलीकॉम लेआउट के 36वें वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवानश्री शनि देव के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद महिलाओं को साड़ियां वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

टीपीएफ सेंट्रल ने 'जंपस्टार्ट' नामक वेबिनार आयोजित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम(टीपीएफ)बेंगलूरु सेन्ट्रल द्वारा रविवार को 'जंपस्टार्ट-फ्रॉम स्विगी टू स्टेबल मनी' एक लीडरशिप एवं स्टार्टअप एलीवेट मास्टरक्लास नामक वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें 50 से अधिक प्रोफेशनल्स एवं उद्यमियों ने भाग लिया। इस सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में स्टेबल मनी के पूर्व एमडी एवं सीईओ सौरभ जैन ने समृद्ध कॉरपोरेट एवं उद्यमशील अनुभव के आधार पर उच्च-विकासशील कंपनियों को आगे बढ़ाने तथा कॉरपोरेट नेतृत्व से स्वयं का स्टार्टअप स्थापित करने तक की यात्रा से जुड़े महत्वपूर्ण सूत्र साझा किए। अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया।

सत्र में मुख्य वक्ता जैन ने लीडरशिप, स्टार्टअप अनुभव, कंज्यूमर इनसाइट्स तथा वेल्थ मैनेजमेंट की जानकारी दी तथा विवेकपूर्ण निवेश प्रबंधन के सिद्धांत, फिक्स्ड इनकम निवेश के महत्व, शीर्ष कॉरपोरेट संस्थानों में नेतृत्व की भूमिका से स्टेबल मनी की स्थापना तक की यात्रा, समय के साथ नेतृत्व की परिभाषा तथा टीम में दीर्घकालिक विश्वास निर्माण करने वाली आदतों पर प्रकाश डाला। अंत में इंटरएक्टिव लाइव प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने सीधे वक्ता से प्रश्न पूछकर व्यावहारिक एवं उपयोगी मार्गदर्शन प्राप्त किया। वेबिनार में साउथ जैन के पदाधिकारी उपस्थित थे। अंत में सूरज जैन ने सभी को धन्यवाद दिया।

'एआई मानव बुद्धि का विकल्प नहीं, बल्कि उसका सशक्त सहयोगी है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाईजेशन (जीतो) साउथ लेडीज विंग के तत्वावधान में दो दिवसीय 'डिजिटल डिग्निटी-अर्निंग विद एआई विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एआई, के व्यावहारिक उपयोग से परिचित कराना तथा उन्हें डिजिटल युग में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए सक्षम बनाना था। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि यह सत्र केवल तकनीक सीखने का माध्यम नहीं, बल्कि सोच में परिवर्तन का अवसर है। मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि संयोजक प्रिया गांधी ने प्रशिक्षिका कृषा शाह का परिचय देते हुए डिजिटल साक्षरता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

ङ्कङ्कप्रशिक्षिका कृषा शाह ने पहले दिन एआई, मोबाइल फोन पर एआई ऐप डाउनलोड कर व्यावहारिक प्रशिक्षण की शुरुआत की। प्रतिभागियों को प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग की मूल जानकारी दी गई। साथ ही ईमेल, व्हाट्सएप संदेश, सोशल मीडिया कैप्शन, पोस्टर सामग्री एवं चित्र निर्माण में एआई के उपयोग का भी प्रशिक्षण दिया।ङ्कदूसरे दिन एआई टूलकिट प्रिपरेशन के बारे में जानकारी दी। प्रतिभागियों को स्क्रिप्ट लेखन एवं रचनात्मक संदेशों के लिए विभिन्न एआई प्लेटफॉर्म से परिचित कराया गया।

कार्यशाला में जेमिनी, कैनवा जैसे तार्किक और मानव-सदृश एआई मॉडल की कार्यप्रणाली समझाई गई। सत्र में संगीत निर्माण, चित्र निर्माण, छोटे दैनिक डिजिटल टूल्स तथा वॉइस जेनरेशन जैसे उन्नत एआई उपकरणों का भी परिचय कराया गया। एआई के लाभ एवं सीमाओं पर संतुलित चर्चा करते हुए प्रशिक्षक ने जिम्मेदार एवं नैतिक उपयोग पर विशेष बल दिया। भविष्य की तकनीकी संभावनाओं पर विचार करते हुए यह संदेश दिया गया कि एआई मानव बुद्धि का विकल्प नहीं, बल्कि उसका सशक्त सहयोगी है। इस कार्यशाला में 65 महिलाओं भाग लिया।

अति प्राचीन जैन मंदिर को लेकर चिंतित है युवा वर्ग

-वर्धमान सेवा संघ ने किया प्राचीन मंदिर का दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के समीप नौवीं शताब्दी में निर्मित एक जैन मंदिर जीर्णक्षीण अवस्था में पाया गया। वर्धमान जैन सेवा संघ(कोयंबटूर) के पदाधिकारियों ने निर्णय लिया कि एक बार मंदिर की हालत का जायजा लिया जाए, उसी क्रम में संघ के अध्यक्ष गौतम धारीवाल की अध्यक्षता में संघ के पूर्व अध्यक्ष बबलू ललवानी, हेमंत भंसाली व संघ के संस्थापक राजेश कुमार गादिया ने शहर से 46 किमी दूर एक छोटे से ग्राम आलत्तुर में स्थित इस मंदिर का दौरा किया। वर्ष 970 ईस्वी में निर्मित ये मंदिर वीर संघ द्वारा बनाया गया था,जिसका केंद्र विल्लुपुरम था। यहां मंदिर के साथ ही विद्यालय भी संचालित था।

संघ के सदस्यों ने बताया कि मंदिर में अंकित पत्थर से ज्ञात होता है कि इस मंदिर में दक्षिण के प्रसिद्ध चोल साम्राज्य की रानी ने भी अपने परिवार के सदस्य के बीमारी से स्वस्थ होने पर अर्थ सहयोग प्रदान कर बनवाया गया था। मंदिर का परकोटा बहुत विशाल व मंदिर प्रांगण में ही तालाब भी है। हॉल ही में मंदिर की खस्ता हालात देखते हुए स्थानीय जन बताते हैं कि मंदिर के आस पास भी अन्य मंदिर और मंदिर से संबंधित निर्माण मौजूद थे,जो समय के साथ जैनियों के पलायन के बाद मिटते चले गए,उन स्थानों पर फिलहाल घास-फूस उगे हुए दिखते है। मंदिर पहुंचने के लिए अन्नूर पुलियमपट्टी या अविनाशी मोन्डीपालयम मार्ग से जा सकते हैं। संघ के संस्थापक राजेश कुमार गादिया ने बताया कि मुख्य प्रतिमा को एइसआई के अधीन कोयम्बतूर नगर के संग्रहालय में रखा गया है। स्थानीय जन मंदिर के जीर्णोद्धार में सहयोग के लिए तैयार है, चूंकि ये एक ऐतिहासिक धरोहर है इसलिए संपूर्ण ग्रामीणों ने मंदिर के पुनर्स्थापना में पंचायत समिति के सदस्यों के साथ सहयोग की बात कही। जैन समुदाय के बाहुल्य वाले इस क्षेत्र के आज के अवस्था पर चिंतन करके भावी पीढ़ी के लिए ऐतिहासिक धरोहर को पुनर्जीवित करने का बीड़ा उठाना समय की मांग है।

दक्षिण भारत जैन स्वाध्याय संघ में 'प्राकृत भाषा' सिखाई जाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण भारत जैन स्वाध्याय संघ द्वारा संचालित पाठशालाओं में अब शास्त्रीय (क्लासिकल) भाषा प्राकृत भी पढ़ाई जाएगी। साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग के अनुरोध पर अध्यक्ष लाभचंद खारीवाल ने यह निर्णय लिया। रविवार को मिंट स्ट्रीट स्थित जैन स्थानक में डॉ. धींग ने अध्यक्ष खारीवाल और मंत्री विजया कोटेचा को प्राकृत की प्रथम वर्णमाला और प्राकृत विद्या की सचित्र पुस्तकें भेंट की। कवि धींग ने तमिलनाडु के सबसे पुराने स्वाध्याय संघ की इस पहल की सराहना की। खारीवाल ने बताया कि शुरू में महानगर के विभिन्न क्षेत्रों की चार पाठशालाओं के ढाई सौ स्वाध्यायियों और विद्यार्थियों को प्राकृत सिखाई जाएगी।

कोटेचा ने कहा कि जय जिनशासन प्रकाशन से प्रकाशित एवं बहुश्रुत जयमुनिजी के मार्गदर्शन में तैयार इन पुस्तकों में प्राकृत सीखने-सिखाने की सरल व रोचक विधियाँ बताई गई हैं। डॉ. धींग के सतत व सबल प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि प्राकृत सीखने से आगम स्वाध्याय आसान हो जाता है। माणकचंद कोटेचा ने संयोजन किया। तरुण-दीपेश खारीवाल ने धन्यवाद दिया।

आरवाईए कॉस्मो फाउंडेशन की साधारण सभा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के आरवाईए कॉस्मो फाउंडेशन की साधारण सभा सम्पन्न हुई। सर्व प्रथम अध्यक्ष सतीश मुणोत ने सभी पूर्व अध्यक्ष एवं सदस्यों का स्वागत किया। मैनेजिंग ट्रस्टी कल्पेश शाह ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। अनुव जैन ने आय व्यय की जानकारी दी । अर्थ संग्रह हेतु चेयरमैन प्रसन्न कांकरिया एवं टीम को बधाई दी गई। फाउंडेशन द्वारा गत वर्ष किए गए 40 से अधिक शिविरों की जानकारी प्रमोद मुथा ने दी। शिविर में नेत्र चिकित्सा, मिर्गी, बीपी, शुगर शिविर के अलावा जैतारण पट्टी ब्यावर एसोसिएशन के स्वास्थ्य शिविर भी सम्मिलित थे। कोषाध्यक्ष राजेश बाफना ने हिसाब पेश किया और कांकरिया परिवार के सौजन्य से सोलार प्लांट की जानकारी भी दी। कार्यक्रम का संचालन चिराग चोवटिया ने किया। सभा में अजय नाहर, राजेश जैन, विनोद पुनमिया गिरीराज मूंदड़ा, अरुण बोहरा, कमलेश गुप्ता, राजेश रांका, रितेश मुथा आदि सदस्य उपस्थित थे।

'भारतीय साहित्य में संत परम्परा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिव्वमोगा। स्थानीय डीवीएस कॉलेज ऑफ साईंस, आर्टर्स एण्ड कामर्स और बहुभाषा संगम संस्थान हुब्बल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय साहित्य में संत परम्परा' विषयक पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कॉलेज के हिन्दी प्राध्यापक संघ के महासचिव और बिशप कॉटन विमेन्स क्रिश्चियन कॉलेज हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ विनय कुमार यादव ने संगोष्ठी के विषय को प्रासंगिक बताया और कबीर, सूरदास, तुलसीराम, मीरा, नानक, वृंद, रहीम, बसवेश्वर, अक्कमहादेवी आदि कवियों की लेखनी को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने की बात रखी। उन्होंने कहा कि यही साहित्य का अध्ययन देश को सही रास्ते पर ले जाने का सामर्थ्य रखता है।

उन्होने इस मंच से सभी स्वायत्त महाविद्यालयों से निवेदन किया कि अपने पाठ्यक्रम में कन्नड़, हिन्दी, संस्कृत, उर्दू आदि भारतीय भाषाओं को उचित स्थान दें और कम से कम चार सेमिस्टर तक इसके अध्ययन की व्यवस्था हो, क्योंकि कर्नाटक के अधिकतर स्वायत्त महाविद्यालय भारतीय भाषाओं को अपने पाठ्यक्रम में सीमित करने का काम कर रहे है। इससे उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों को भारतीय भाषा और साहित्य के अध्ययन का अवसर नहीं मिलेगा। कर्नाटक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू होने से महाविद्यालयों में हिन्दी अध्ययन पर जो संकट आया था उसके समाधान के लिए डॉ मंजूनाथ और डॉ विनय कुमार यादव ने सराहनीय कार्य किया और राज्य में लगभग 4000 कन्नड़ भाषी हिन्दी शिक्षकों को बेरोजगार होने से बचाया। इस संगोष्ठी में डॉ विनय कुमार यादव को इस सराहनीय योगदान देने के लिए महाविद्यालय के प्रबंधन, प्रधानाचार्य और शिक्षकों की ओर से सम्मानित किया गया ।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.